दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -25 जबलपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

हमारी निवेश नीति देश में सबसे अच्छी, जितने चाहे उद्योग लगाएं, सरकार आपके साथ है- मुख्यमंत्री यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश असीम संभावनाओं का प्रदेश है। मध्यप्रदेश की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी अधिक विशेष बनाती है। म.प्र. के औद्योगिक विकास के लिए हमारी सरकार ने जो नई निवेश नीति बनाई है, वह देश में सबसे बेहतर है, सबसे अच्छी है। आप जितने चाहे उतने उद्योग लगाइए, सरकार हर पल, हर कदम पर आपके साथ है।

मुख्यमंत्री यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहित अन्य उद्योगपतियों से चर्चा के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने वाले निवेशक सदैव लाभ में रहे हैं। आप जैसे चाहें वैसे उद्योग लगाएं और मुनाफा कमाएं। मुख्यमंत्री यादव ने 1100 से अधिक औद्योगिक इकाईयों को 450 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय प्रोत्साहन राशि पारदर्शी तरीके से डीबीटी से हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और भोपाल के निवेशक बेहिचक न केवल निवेश करें, बल्कि 24-25 फरवरी को भोपाल में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मेजबानी भी करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में हो रहा एक वैश्विक समागम है और यह एक अत्यंत ऐतिहासिक अवसर होने जा रहा है। देश-विदेश से यहां आने वाले निवेशक हमारे मेहमान हैं। उनके स्वागत में कोई कमी न रहें, जो भी भोपाल आए, वह एक अच्छी स्मृति लेकर ही जाए।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर में मध्यप्रदेश का देश में 7वां स्थान है। यह प्रदेश का सबसे उभरता हुआ सेक्टर है। इसलिए हमने निर्णय लिया है कि प्रदेश में हर प्रकार के उत्पादों से जुड़े नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन किया जाएगा। साथ ही वर्तमान में चल रहे पुराने उद्योगों को भी जरूरी मदद मुहैया कराएंगे। पुराने उद्योगों को यदि आवश्यकता होगी, तो मांगे जाने पर उन्हें नवकरणीय ऊर्जा के जरिए विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार के बजट की एक-एक राशि जनता के समग्र कल्याण और प्रदेश के औद्योगिक विकास में व्यय की जाएगी। उन्होंने बताया कि हम नए वित्त वर्ष में सरकार के बजट को 4 लाख करोड़ रूपए तक लेकर जाने की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार उद्योगों को सभी जरूरी मदद और प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार ने सदैव अपने वचन का पालन किया और आगे भी करेंगे।

उन्होंने कहा कि नई निवेश नीति में हमारी सरकार महिला उद्यमियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट देने का प्रावधान करने जा रही है। उद्योगपतियों को मल्टी स्टोरी इंडस्ट्रियल परिसर तैयार करने में, तो सरकार एक निश्चित सीमा तक छूट देगी। हम इंडस्ट्रियल परिसर में आवासीय गुजाइंश को भी अनुमति योग्य करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव कहा कि हमारी सरकार उद्योग ऋण पर ब्याज में समुचित सीमा तक छूट भी देगी। मुख्यमंत्री यादव ने सभी उद्योगपतियों से रू-ब-रू संवाद किया और कहा कि भोपाल में हो रही जीआईएस मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी, इसकी सफलता के लिए सबका सहयोग और सहभागिता जरूरी है। खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए हम मध्यप्रदेश के समेकित विकास की ओर बढ़े हैं। हमारी देश के सभी अंचलों से कनेक्टिविटी, यहां का ईको सिस्टम, यहां की आबो-हवा सबसे अच्छी है। जीआईएस भोपाल के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। उन्होंने भोपाल में जीआईएस आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री यादव का आभार मानते हुए उद्योगपतियों से कहा कि निवेश किसी राज्य की समृद्धि का बड़ा आधार है। निवेश कीजिए और जीआईएस को सफल बनाकर मध्यप्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाने में भागीदार बनिए।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश के उत्पादों का अधिक से अधिक निर्यात हो, इसके?लिए हमारी सरकार ने हर स्तर पर उद्योगपतियों और निवेशकों को प्रोत्साहन दिया है।

मध्यप्रदेश से कच्चा माल और अपना निर्मित देश के किसी भी कोने में पहुंचाना आसान है, फिर भी प्रोत्साहन स्वरूप हमारी सरकार उद्योगों को माल भाड़े में 50 प्रतिशत से अधिक राशि का अनुदान दे रही है। नए उद्योगों का यहां हमेशा स्वागत है। उन्होंने कहा कि पुराने उद्योगो को भी हम अतिरिक्त मदद देकर उनको और मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भुज में बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर से 9 लोगों की मौत, 38 घायल

कच्छ (आरएनएस)। गुजरात के कच्छ जिले में भुज में एक निजी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई है। इसमें 9 लोगों के मारे जाने की सूचना मिल रही है। हादसे में 38 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनका अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार हादसा भुज में केरा और मुंद्रा के बीच में हुआ। एक निजी बस 40 से अधिक यात्रियों को लेकर जा रही थी। इसी बीच उसकी भीषण टक्कर ट्रक के साथ हो गई। स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे, तो देखा कई लोग घायल हैं। इनमें 9 लोग मर गए थे। 15 फरवरी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से तीर्थयात्रियों को ला रही एक पर्यटक वैन गुजरात के दाहोद जिले में ट्रक से टकरा गई। हादसा इंदौर-अहमदाबाद राजमार्ग पर लिमखेड़ा के पास हुआ, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक महिला भी शामिल थी। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। मृतकों की पहचान अंकलेश्वर और धोलका के निवासी के रूप में हुई। इसी दिन यूपी के इटावा में भी एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हुआ।

बिहार - महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार कंटेनर से टकराई, एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

आरा. बिहार के भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत, आरा-मोहानिया हाईवे पर दुल्हिनगंज के निकट शुक्रवार की सुबह प्रयागराज से लौटती एक कार कंटेनर से टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार छह व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और वाहन के अगले भाग के परखच्चे उड़ गए.

भोपाल से महाकुंभ जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बस से टकराई, चार लोगों की मौके पर मौत

मैहर (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 पर शुक्रवार अलसुबह करीब चार बजे मैहर के पास एक सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार स्कार्पियो कार बस से टकरा गई, जिसकी वजह से चार की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जाता है कि स्कार्पियो में सवार छह लोग भोपाल से प्रयागराज कुंभस्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान मैहर थाना क्षेत्र में राम मंदिर के पास यह स्कार्पियो सड़क किनारे खड़ी बस में पीछे से टकरा गई। इस हादसे में रोहित कुशवाहा (24), डोलाराम कुशवाहा (50), उमेश कुशवाहा (45) की मौके पर ही मौत हो गई।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स पर भड़कीं उमा भारती

एलन मस्क का बर्ताव दिमागी गरीबी और संस्कारों की फूहड़ता दर्शाता है

भोपाल (आरएनएस)। अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क द्वारा भारतीयों को डिपोर्ट करने पर की गई टिप्पणी की मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है- अवैध निवासी भारतीयों को निकाले जाने का दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने बहुत क्रूर एवं अमानवीय तरीके से मजाक बनाया है, यह घोर निंदनीय है।' उमा भारती ने आगे लिखा- 'अवैध घुसपैठियों को अपने देश से निकालने का हर देश को अधिकार है। हमने भी निकाले हैं और निकाल के रहेंगे, लेकिन अशिष्ट और असभ्य बर्ताव तो फांसी की सजा प्राप्त किए हुए अपराधी के साथ भी नहीं होता। दुनिया के सबसे रईस एलन मस्क का बर्ताव उनकी दिमागी गरीबी एवं संस्कारों की फूहड़ता दर्शाता है।

पांच दिन पहले भी किया था पोस्ट

पांच दिन पहले भी उमा भारती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था- अमेरिका में रहे अप्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ी बेडियों में जकड़कर भारत वापस भेजा गया, वह निंदनीय है, लेकिन इससे भारत के भाजपा के सभी विरोधी दलों को भी सबक लेना चाहिए।'

'हम जब बंग्लादेश एवं रोहिंग्याई घुसपैठियों को बाहर निकालने की कोशिश करते हैं तो हमारे सारे विपक्षी दल एक होकर हमारी सरकार का विरोध करते हैं, क्योंकि घुसपैठिए उनके वोट बैंक है।

क्या लिखा था एलन मस्क ने

अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों सहित अन्य देशों के लोगों को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन हथकड़ी पहनाकर वापस भेज रहा है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो को एलन मस्क ने रीपोस्ट हुए लिखा हा हा, वाह'। एलन मस्क के इस ट्वीट पर मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भड़क गई हैं।

मुंबई में फिल्म सिटी के पास झुग्गियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई के गोरेगांव में ऐतिहासिक फिल्म सिटी के द्वार पास झुग्गियों में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गयी। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि संतोष नगर में शाम साढ़े सात बजे आग लग गई जिसे बुझाने के लिए 14 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी

मुंबई पुलिस ने बम से उड़ाने वाले ईमेल के मामले में बुलढाणा से दो लोगों को किया गिरफ्तार

महाराष्ट्र-(आरएनएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी वाला एक ईमेल गोरेगांव पुलिस स्टेशन में पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3), 351(4) और 353(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और मामले को जांच के लिए तुरंत मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया।

मुंबई क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम ने बुलढाणा पुलिस की सहायता से ईमेल धमकी के मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। संदिग्धों की पहचान इस प्रकार की गई है-

1. मंगेश अच्युतराव वायल, 35 वर्ष
2. अभय गजानन शिंगणे, 22 वर्ष

दोनों देउलगांव माही, तालुका देउलगांव राजा, जिला बुलढाणा, महाराष्ट्र के निवासी हैं और उन्हें उनके गृहनगर से गिरफ्तार किया गया। संदिग्धों को आगे की जांच के लिए मुंबई लाया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद दोनों संदिग्धों को मुंबई ले जाया जा रहा है, जहां मुंबई क्राइम ब्रांच उनसे पूछताछ करेगी ताकि धमकी के पीछे का मकसद और किसी बड़ी साजिश का पता लगाया जा सके।

राजद के साथ फिर जाने वाले हैं नीतीश कुमार? एक बयान से मच गया नया सियासी बवाल

बिहार-(आरएनएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर महागठबंधन के साथ जा सकते हैं? एक बयान ने फिर से राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से विशेष रूप से अनुपस्थित रहे, जिससे राजनीतिक अटकलें तेज हो गईं। उनकी अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि नीतीश कुमार हमारे साथ आने वाले हैं, तो वह एनडीए की बैठक में क्यों शामिल होंगे? भाई वीरेंद्र के इस बयान से सियासी गलियारे में एक बार फिर तूफान उठ गया है। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली नहीं जाने को लेकर भले राजनीति शुरू हो गई है लेकिन शपथ ग्रहण समारोह में नहीं जाने के पीछे कई कारण था। सीएम का पहले से भी कार्यक्रम तय था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को रोहतास जिले में 1378.46 करोड़ रुपये की कुल 1220 विकासात्मक

योजनाओं का उद्?घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 1110.23 करोड़ रुपये की 1971 परियोजनाओं का शिलान्यास और268.22 करोड़ रुपये की 249 परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''मुख्यमंत्री ने जिले के करमचट, बादलगढ़, दुर्गावती और दिनारा में विभिन्न इको-टूरिज्म और एडवेंचर हब केंद्रों और बोट हाउस शिविरों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने चेनारी प्रखंड में मल्हीपुर पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र में जीविका दीदियों के साथ बातचीत की। उन्होंने रोहतास जिले में राज्य सरकार का जारी विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की भी अध्यक्षता की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस में उम्मीद की नई किरण लेकर आए हैं हरीश चौधरी

तालिब हुसैन

जबलपुर/भोपाल. बुरे दौर से गुज़र रही कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुटी है. सूबे में बिखरे संगठन को सहेजने और गुटबाजी को खत्म करने की उम्मीद के साथ दिग्गज नेता हरीश चौधरी को एमपी का प्रभारी बनाया गया है जिन्होंने धूम धाम के साथ भोपाल में पदभार ग्रहण किया. इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांति लाल भूरिया, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, अजय सिंह राहुल सहित कई वक्ताओं ने प्रदेश से आए कांग्रेस के पदाधिकारियों, नेताओं व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया. नवनियुक्त प्रभारी ने अपने भाषण से सबको चौंका दिया. उन्होंने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कांग्रेस को संगठित व सुदृढ़ करने के लिए ज्ञान देने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि ईमानदारी तथा निष्ठा के साथ हम सबको अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वाह करना चाहिए. बताते चलें कि हरीश ने नेताओं को यह भी हिदायत दे डाली कि दिल्ली आकर उनसे अकेले में मिलने की कोशिश ना करें.

पदभार ग्रहण में उमड़े कांग्रेसी

हरीश उम्मीद पर खरे उतरेंगे-कदीर सोनी

भोपाल में हरीश चौधरी के पदभार ग्रहण समारोह में जबलपुर से कई नेता शामिल हुए.वरिष्ठ कांग्रेस नेता व मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विशेष आमंत्रित सदस्य मुहम्मद कदीर सोनी ने बातचीत के दौरान कहा नए प्रभारी हरीश चौधरी मंझे हुए कुशल नेता हैं, पार्टी हाईकमान ने उन्हें जिन उम्मीदों के साथ एमपी भेजा है, निश्चित रूप से वह उन पर खरा उतरेंगे.

बिखरे संगठन को संवारने की चुनौती

हरीश ने फर्स्ट इम्प्रेशन इज़ दा लास्ट इम्प्रेशन की तर्ज पर अपने तेवरो से यह संदेश दे दिया है कि वह व्यक्तिगत रूप से किसी से मिलना पसंद नहीं करेंगे. एक तरह से उनका संदेश उन क्षत्रपों के लिए है जिन्होंने कांग्रेस को अपनी बपौती समझ रखा है. बहरेहाल अब देखना यह है कि कांग्रेस के कमज़ोर ढांचे और गुटों में विभाजित पार्टी को नए प्रभारी किस तरह मजबूत और संगठित कर पायेंगे..?

जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं..., जी20 मंत्रियों की बैठक के दौरान जयशंकर का चीन पर कटाक्ष

नई दिल्ली-(आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भू-राजनीतिक परिदृश्य की वर्तमान जटिलताओं को उजागर करते हुए कहा है कि विचारों में सामंजस्य स्थापित करने की जी-20 की क्षमता वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं।

चीन पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और बहुपक्षीयता पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक एजेंडे को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता।जोहान्सबर्ग में जी20 विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि सदस्य देशों को यह भी पहचानना चाहिए कि बहुपक्षीयता स्वयं बहुत क्षतिग्रस्त है और संयुक्त राष्ट्र तथा इसकी सुरक्षा परिषद अक्सर ग्रिड-लॉक हो जाती है।

इस साल 22-23 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान जयशंकर ने दृढ़ता से कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने जोर देकर कहा, करार किए गए समझौतों का पालन किया जाना चाहिए और जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, सिर्फ़ यूएनएससी को काम पर वापस लाना ही काफ़ी नहीं है; इसके काम करने के तरीके और प्रतिनिधित्व में बदलाव होना चाहिए। वैश्विक घाटे को कम करने के लिए यादा बहुपक्षीयता की ज़रूरत है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कम अपारदर्शी या एकतरफ़ा होना चाहिए। और वैश्विक एजेंडा को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पाटन में भारत चड़ार उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम धनेटा ने सूचना दी कि वह मजदूरी करता है उसके घर के पास बने दूसरे मकान में उसके चाचा भागीरथ चड़ार अपनी पत्नी सत्यवती चड़ार के साथ रहते थे जिनके तीन बेटे सुशील चड़ार, सीताराम चड़ार, लक्ष्मण चड़ार हैं सभी की शादी हो चुकी है चाचा भागीरथ शराब पीने के आदी थे आज दोपहर लगभग 12 बजे सीताराम चड़ार की पत्नी वंदना आकर बतायी कि भैया घर चलो देखो पापा ने घर के दरवाजे की चोखट से अपने गमछे से फांसी लगा ली है पापा सुबह कह रहे थे कि उनके पेट मे दर्द हो रहा है,

रेल संरक्षा आयुक्त ने नयागाँव-खिलचीपुर नवनिर्मित रेललाइन का किया निरीक्षण

अधिकतम 130 किमी प्रत्ति घंटा की गति से सीआरएस ने किया ट्रायल रन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रामगंजमण्डी से भोपाल नई लाईन परियोजना के अर्न्तगत नयागाँवपुराकुमारा-खिलचीपुर सेक्शन का कमीशनिंग के लिये निरिक्षण पश्चिम वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री मनोज अरोरा द्वारा निरीक्षण गुरूवार, 20 फरवरी को किया गया।

उल्लेखनीय है कि 276 किलोमीटर रामगंजमण्डी से भोपाल नई लाईन परियोजना की कुल लागत 3035 करोड़ रूपये है। जिसमे रामगंजमंडी से व्यावरा स्टेशन 165 किलोमीटर का परिक्षेत्र कोटा मंडल के दायरे में आता है। रामगंजमंडी से नयागाँवपुराकुमारा स्टेशन 101 किलोमीटर राजस्थान राज्य के अधीन एवं शेष स्टेशन मध्यप्रदेश राज्य में आता है। वर्त्तमान में घाटोली तक रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। अबतक रामगंजमंडी से खिलचीपुर कोटा मंडल के 165 किलोमीटर में से 126 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है। शेष कोटा मंडल का 39 किलोमीटर का कार्य अगले वित्तीय वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। नयागाँवपुराकुमारा-खिलचीपुर सेक्शन की कुल दूरी 22.32 किमी है। सीआरएस श्री मनोज अरोरा ने इस नवनिर्मित रेललाइन पर ट्रायल से पूर्व मोटर ट्राली एवं खिलचीपुर स्टेशन यार्ड का विधिवत निरीक्षण किया तत्पश्चात सीआरएस ने नयागाँवपुराकुमारा-खिलचीपुर सेक्शन में अधिकतम 130 किमी/घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया।

इस निरिक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक कोटा श्री अनिल कालरा, चीफ प्रसाशनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम हाश्मी, मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री विजय पाण्डेय, प्रमुख मुख्य सिंग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री रामनेन्द्र निगम सहित सम्बंधित विभाग के शाखा अधिकारी मौजूद रहे।

रामगंज मंडी-भोपाल नई लाइन परियोजना की मुख्य विशेषताएं:-

- इस परियोजना में राजस्थान और मध्य प्रदेशराज्यशामिल है एवं 5 जिल्रे कोटा,झालावाड़, राजगढ़, सीहोर और भोपाल शमिल है।
- झालावाड़ (राजस्थान) में कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की आवागमन के लिए रूठियाई-ब्यावरा-झालावाड़ शहर (215 किमी) के माध्यम से मार्ग की तुलना में 42 किमी कम है।
- रूठियाई-कोटा-रामगंजमंडी-झालावाड़(257 किमी)। जयपुर से दक्षिण की ओर जाने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट लगभग 115 किमी कम हो जाएगा 7 परिणामी समय में 3 घंटे की बचत होगी।
- घटोली स्टेशन के निकट शिव भगवान का विख्यात केलकेरा मंदिर से स्थानीय आवागमन सुगम हो जायेगा।

पावर जनरेटिंग कंपनी महिला कार्मिकों की कार्य स्थल पर सुरक्षा के प्रति सदैव सजग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के मानव संसाधन व प्रशासन कार्यालय के तत्वावधान में कार्य स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा विषय पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप ने कहा कि पावर जनरेटिंग कंपनी महिला कार्मिकों की कार्य स्थल पर सुरक्षा के प्रति सदैव सजग है। महिला कार्मिकों की सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या का कंपनी द्वारा अविलम्ब समाधान किया जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला महिला कार्मिकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा 100 से अधिक महिला अधिकारियों व कार्मिकों को कार्य स्थल पर सुरक्षा विषय पर चार सत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर पावर जनरेटिंग कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसके जैन, पावर मैनेजमेंट कंपनी के अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक अखिलेश अग्रवाल, पावर जनरेटिंग कंपनी के अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण डा. अशोक कुमार तिवारी, कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षक मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की अधिवक्ता सुनंदा केशरवानी सहित प्रतिभागी उपस्थित थे।

कार्यशाला में सुनंदा केशरवानी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के शोषण व इसके रोकथाम, निषेध व निवारण अधिनियम 2013 के प्रावधान की प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यशाला में विशाखा गाइडलाइंस व मनोवैज्ञानिक पक्ष के संबंध में एडवोकेट निधि पांडे द्वारा प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। कार्यशाला में महिला कार्मिकों को उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया।

मुविप के प्रदेशाध्यक्ष के नगरागमन पर हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।मप्र मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट मो. माहिर खान भोपाल के नगरागमन पर परिषद के जिला कार्यालय मंडी मदार टेकरी में जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार व वरिष्ठ पत्रकार हाजी मुईन खान, पत्रकार अशफाक आरिफ, परिषद के गुलाम साबरी, शायर शेख निजामी, इरफान कुरैशी, फैजान कुरैशी, मेहताब अली, लियाकत जावेद, खालिद कुरैशी, डॉ. निसार अंसारी, हाशिम राजा, मुज्जफर कुरैशी, ताहिर खोकर, एड. अकबर उस्मानी, समाजसेवी इस्तियाक अंसारी, अलीम मंसूरी, साजिद काजी, बब्लू कुरैशी, अहमद रज़ा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किबरिया, मामूर गुड्डू, अब्दुल बाकी खान, अशरफ शिराजी, मो. जावेद, मुख्तार अंसारी, मो. इस्लाम आदि ने आगवानी कर पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर अपने उदबोधन में प्रदेशाध्यक्ष मो. माहिर ने कहा कि परिषद व समाज को सशक्त रूप से मजबूत बनाकर कार्यकर्ता सामाजिक, सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्य करे तथा लोगों की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराये।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए सिटीजन फीडबैक शहर में प्रारंभ

फीडबैक अभियान में आप दिला सकते हैं जबलपुर को जीत - निगमायुक्त प्रीति यादव

आपके सकारात्मक जबाव से जबलपुर का बढ़ेगा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान - निगमायुक्त
शहर के नागरिकों से पूछे जाएंगे आसान सवाल-सही जबाव से हासिल होगा शहर को गौरव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए सिटीजन फीडबैक शहर में प्रारंभ हो चुका है। इस महतवपूर्ण घटक को ध्यान में रखते हुए, आज निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव शहर हित में जबलपुर वासियों से सिटीजन फीडबैक देने के लिए आग्रह किया साथ ही निगमायुक्त ने अपने सन्देश में कहा की हमारा शहर हमारी जिम्मेदारी है, जिसको हम सब को मिलकर निभाना होगा चूँकि स्वच्छ सर्वेक्षण नजदीक आ चुका है, ऐसे में हम सभी को विशेष ध्यान रखना होगा जैसे कि अपने घर के आस पास सफाई बनायें रखे, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करते हुए बाज़ार जाते समय कपड़े से बने थैले का ही उपयोग करें और साथ में सिटीजन फीडबैक देने के लिए आप नीचे दिए गए क्यू आर कोड को स्कैन करे या पर जाकर शहर हित में आप अपना फीडबैक जरुर दें। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत नागरिकों से आसान सवालों का जवाब पूछा जायेगा, जिसका जबाव साकारात्मक देने पर शहर का मान बढ़ेगा। आप सभी गणमान्यजन फीडबैक देकर राष्ट्रीय स्तर पर जबलपुर का मान बढ़ा सकते हैं। सकारात्मक सुझाव देने के लिए नागरिकों के पास स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की टीम पहुंचेगी जिनके द्वारा निर्धारित प्रपत्र में नागरिकों से सवाल किए जाएंगे एवं उनके जवाब दस्तावेज एवं डिजिटल माध्यम से पंजीकृत किए जाएंगे। फीडबैक के लिए फोन कॉल भी आएगा जिसपर आपको सकारात्मक जबाव देना है। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत जबलपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। शहर की सड़कों, मुख्य बाजारों, रहवासी क्षेत्रों के अलावा सभी निर्धारित स्थानों पर स्वच्छता का अभियान चलाया जा रहा है, इसके अतिरिक्त नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने अधिकारियों द्वारा उनके साथ निरन्तर संवाद भी किया जा रहा है। निगमायुक्त श्रीमती यादव ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत स्वच्छता के कार्यों का पर्यवेक्षण करने अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया है जिसके अंतर्गत वार्ड सुपरवाईजर, नागरिकों के घर घर जाकर सर्वे करेगें तथा फीडबैक प्राप्त करेगें। निगमायुक्त ने शहर के सभी सम्माननीय नागरिकों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत सकारात्मक फीडबैक देकर अपने जिम्मेदार नागरिक होने का दायित्व निभाने की अपील की है।

31 मार्च तक करे सभी पीपीए- ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

कुसुम ए योजना में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि केन्द्र सरकार की महात्वाकांक्षी योजना कुसुम %ए% किसानों की आय को दोगुना करने और किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक अहम योजना है। योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। श्री तोमर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की मंशानुसार सभी पीपीए 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से कर लें। कुसुम ए योजना में मध्यप्रदेश को चार चरणों में अभी तक 1790 मेगावाट की सौर विद्युत गृह स्थापना का लक्ष्य दिया गया है। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम को नोडल एजेंसी बनाया है। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम द्वारा लगभग 1001 मेगावाट के एलओए जारी कर दिए गए हैं। इसमें से एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा 240.02 मेगावाट के पॉवर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) कर दिए गए हैं। इस माह के अंत तक 500 मेगावाट के पीपीए कर दिए जाएंगे। इस योजना में राजस्थान प्रथम व महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है।

राष्ट्रीय पैरा जूडो टीम में नगर के 4 जूडो खिलाड़ी चयनित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर जिला जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गुप्ता द्वारा दी गई जानकारी अनुसार इंडियन पैरा जूडो एसोसिएशन के तत्वाधान में लखनऊ में आयोजित 13 वीं राष्ट्रीय पैरा जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 28 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है , जिसमें प्रदेश जूडो दल में नगर के 4 जूडो खिलाड़ीयो का चयन किया गया है। जिला संघ के सचिव/ जूडो कोच आबिद हुसैन ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों में अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता एवं म.प्र.शासन से विक्रम पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी जानकी बाई , अर्पित काछी , श्याम लाल चौधरी एवं निशा कोरी आदि हैं। ये सभी जूडो खिलाड़ी दिनांक 23 फरवरी को चित्रकूट एक्सप्रेस से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतियोगिता हेतु तकनीकी अधिकारी के रूप में नगर के वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान को भी आमंत्रित किया गया है। खिलाड़ियों की इस सफलता पर मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह, जिला खेल अधिकारी आशीष पांडेय, राजकुमार मिश्रा, सत्येंद्र गुरु, शायदा अली, गौरी शंकर सार, रत्नेश सोनकर, अनुराग चौबे, एडवोकेट अताउर रहमान अंसारी, मनीष श्रीवास्तव आदि ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बकाया करों की राशि जमा करने एवं किरायेदारी दर्ज कराने करदाताओं से निगमायुक्त ने की अपील

आज शनिवार एवं रविवार अवकाश दिवस में भी करदाताओं की सुविधा के लिए खुले रहेगें नगर निगम के सभी कैश काउंटर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम द्वारा निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसर सभी वार्डो में राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिनके द्वारा अभी तक बकाया करों की राशि जमा नहीं की गयी है उनके विरूद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए आज शनिवार एवं रविवार अवकाश दिवस में भी सभी कैश काउंटर खुले रहेगें। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने सभी करदाताओं एवं सभी शासकीय विभागों एवं संस्थाओं के प्रमुखों से भी अपील की है कि सभी करदाता शनिवार एवं रविवार अवकाश के दिन निगम प्रशासन द्वारा प्रदत सुविधा का लाभ उठाकर समस्त बकाया कारों की राशि का भुगतान करें, किरायेदारी दर्ज कराएँ एवं निगम की अप्रिय कार्यवाही से बचें।

सर्वश्रेष्ठ दैनिक पीएलएफ का रिकार्ड बना

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने हासिल किया 90.74 प्रतिशत पीएलएफ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृहों ने 19 फरवरी को 90.74 प्रतिशत प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) अर्जित कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक पीएलएफ का रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व पावर जनरेटिंग कंपनी का सर्वश्रेष्ठ दैनिक पीएलएफ 85.03 प्रतिशत था, जो कि सात वर्ष पूर्व 19 अप्रैल 2018 को अर्जित किया गया था।

19 फरवरी को जब मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृहों द्वारा दैनिक 90.74 प्रतिशत पीएलएफ का रिकार्ड बनाया गया, तब इनका समग्र विद्युत उत्पादन 99.52 मिलियन यूनिट दर्ज किया गया। पावर जनरेटिंग कंपनी के चारों ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 4570 मेगावाट है। 19 फरवरी को 210 मेगावाट क्षमता के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई द्वारा 4.94 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करते हुए 98.06 प्रतिशत पीएलएफ हासिल किया गया। 500 मेगावाट क्षमता के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 11.80 मिलियन यूनिट दैनिक उत्पादन करते हुए 98.32 प्रतिशत पीएलएफ, 1340 मेगावाट क्षमता के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 25.71 मिलियन यूनिट उत्पादन करते हुए 79.95 पीएलएफ व 2520 मेगावाट क्षमता के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने 57.07 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करते हुए 94.36 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने चारों ताप विद्युत गृहों के अभियंताओं व कार्मिकों इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विद्युत उत्पादन के नए रिकार्ड कायम होते रहेंगे।

महाकुम्भ के भव्य आयोजन में भारतीय रेल का कार्य अभिनंदनीय- योगी आदित्यनाथ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में महाकुम्भ को लेकर भारतीय रेलवे के प्रयासों को सराहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल ने प्रयागराज जिले के सभी 9 रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया। उनका विस्तार कर उसमें होल्डिंग एरिया बनाए। 3000 से भी अधिक स्पेशल ट्रेन चलाईं। भारतीय रेल का कार्य बहुत अभिनंदनीय है। बेहतर कॉर्डिनेशन के माध्यम से रेल मंत्री स्वयं कॉर्डिनेशन के साथ जुड़े थे, लगातार मेरे साथ बातचीत हो रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष हों, महाप्रबंधक या डीआरएम स्तर अधिकारी, सभी ने पूरी तत्परता के साथ इस पूरे आयोजन में सहभागिता निभाई है। भारतीय रेल ने महाकुम्भ में जितनी मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने की आवश्यकता पड़ी, रेलवे ने उतनी ट्रेनें चलाई। श्रद्धालुओं को प्रयागराज से उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए रेलवे ने पूरा सहयोग किया है। ऐसे सहयोग की वजह से ही महाकुम्भ जैसा आयोजन इतनी भव्यता और दिव्यता के साथ आगे बढ़ पाया और उसको हम इस रूप में आगे बढ़ाने का काम कर पाएं। बता दें कि भारतीय रेल ने वृहद तैयारियों के साथ भव्य दिव्य और डिजिटल महाकुम्भ में सहभागिता निभाई है। 13,500 से अधिक ट्रेनों जिसमें 3500 से अधिक विशेष गाड़ियां शामिल हैं, 13,000 कर्मयोगियों और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली के साथ प्रयागराज क्षेत्र में यात्रियों की सेवा में तत्पर रहा है। 1186 सीसीटीवी, डेढ़ लाख यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया, 24 घंटे की मॉनिटरिंग और कुशल क्राउड मैनेजमेंट से पूरी व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुदृढ़ किया गया है। 48 डिजिटल टिकटिंग, बहुभाषी उद्घोषणाएं और सुविधाजनक सेवाएं रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारतीय रेल, श्रद्धालुओं के हर कदम पर उनके साथ, महाकुंभ को अविस्मरणीय बना रही है।

रामेश्वरम महादेव का 21 वां पाटोत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ब्रम्हा अभिनाशी नही हैं, उसका भी समय निर्धारित है, जो अभिनाशी है वह शिव है। यज्ञ वह सफल होता है जो उचित अवसर पर होता है। शिव विरागी है और विरागी को रागी बनाकर ही शिवत्व की प्राप्ति होती है।

महाराज जी ने कहा कि भक्ति प्रेम की मधुमती भूमिका है। प्रेम का तत्व या सारांश ही भक्ति की संज्ञा को प्राप्त हो जाता है। प्रेम के अनेक रूप हैं। जैसे समान वय में एक-दूसरे के प्रति तो रामात्मक भाव उदय होते हैं, उन्हें स्नेह कहा जाता है। छोटे लोग जब बड़ों से प्रेम करते हैं तो श्रद्धा बन जाता है। अपने इष्ट या परमात्मा के प्रति प्रेम की भावना भक्ति कहलाती है। गौरीघाट स्थित साकेतधाम में श्री रामेश्वरम महादेव का 21 वां पाटोत्सव एवं संत समागम का शुभारंभ 22 फरवरी से 26 फरवरी तक किया जा रहा है। जिसमे नर्मदा पूजन एवं शोभायात्रा 22 फरवरी को प्रात: 9 बजे से होगी। तदोपरांत रामेश्वरम महादेव का पूजन प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से किया जाएगा। बाबा कल्याण दास जी की अध्यक्षता में प्रतिदिन शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक संतो का सत्संग प्रबुद्धजनों को प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में परम पूज्य बाबा कल्याण दास जी, स्वामी अखिलेश्वरानंद जी, जगतगुरु राघव देवाचार्य जी, पंडित उमाशंकर शर्मा व्यास, वेदांत केशरी स्वामी मुक्तानंद जी, स्वामी नरसिंह दास जी, सुश्री ज्ञानेश्वरी दीदी के प्रवचन आयोजित है। इस कार्यक्रम में 23 फरवरी को योगिराज अमरज्योति बाबा जी पालमपुर का सम्मान किया जाएगा एवं 25 फरवरी को संस्कारधानी के प्रबुद्धजनों का सम्मान आयोजित किया गया है। महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 के पावन दिन पंडित रोहित दुबे जी के आचार्यत्व में प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक शिवार्चन एवं रात्रिपर्यन्त 51 वैदिक ब्राम्हणों द्वारा महारुद्राभिषेक किया जाएगा। आप सभी से इस आयोजन में सम्मिलित होने की प्रार्थना रविनंदन सिंह, कैलाश गुप्ता, पंडित रोहित दुबे, के के दुबे, के के चतुर्वेदी, भगवान दास धीरावाणी, पंडित सौरभ दुबे, मोनी अग्रवाल, एस के चौरसिया, भानु नवेरिया, अलभ्य बाजपेई, संजय अग्रवाल, मनीष दुबे, विवेक पाठक, राजेश केडिया, उमंग अग्रवाल, अशोक टेकरीवाल ने की है।

भोपाल (आरएनएस)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि 'हमारी युवा पीढ़ी योग्य और जिम्मेदार है। युवा पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति अटूट भक्ति भी है और दुनिया को जीतने का जोश भी है। राज्यमंत्री गौर ने मंगलवार को नेहरू युवा केंद्र और भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित सीमावर्ती राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्रों को संबोधित कर रही थीं। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि निश्चित रूप से युवाओं की सोच, आपका चिंतन, आपका विचार, आपका दृष्टिकोण इस भारतवर्ष को नई दिशा देने का काम करता है,

प्राकृतिक कृषि उत्पाद के लिए आदर्श जिले और विकासखंड किए जाएं विकसित- जैविक खेती करने वाले किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे सोलर पम्प

कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि रसायनों के असीमित प्रयोगों के कारण पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। अत- जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। प्रदेश में वर्तमान वर्ष में भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार प्राकृतिक कृषि विकास योजना के अंतर्गत लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्रफल में जैविक खेती का कार्यक्रम लिया जा रहा है। आगामी वर्षों में जैविक- प्राकृतिक खेती को पाँच लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य रखा जाए। जैविक उत्पादों के बेहतर मूल्य किसानों को मिल सकें, इस उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर जैविक हाट-बाजार लगाए जाएं। प्रदेश में प्राकृतिक कृषि उत्पाद के लिए आदर्श जिले और विकासखंड विकसित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती पर आधारित मेले लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती करने वाले किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय जैविक कृषि उत्पादन तथा मूल्य संवर्धन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक जिला एक उत्पाद तथा विभिन्न विभागों और जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी विदेश यात्राओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पूरा विश्व प्रदूषण रहित, स्वास्थ्यकारी प्राकृतिक कृषि उत्पादों के लिए मध्यप्रदेश की ओर देख रहा है। नवीन

तकनीकों से कृषि उत्पादन वृद्धि तो होना चाहिये किन्तु पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती से संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह वर्ष यद्यपि उद्योग वर्ष घोषित किया गया है किन्तु कृषि प्रधान राज्य मध्यप्रदेश में खेती को साथ लेकर नीतियां लागू करना आवश्यक है। अत- राज्य सरकार कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रही है। जिन जिलों में औद्योगिक दर कम हैं, वहां कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पशुओं की वर्तमान दुग्धोत्पादन क्षमता 9 प्रतिशत है जिसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों की समृद्धि तथा आय वृद्धि के लिए राज्य सरकार भरसक प्रयास कर रही है। कृषि उत्पादकों को सब्जी उत्पादन निर्यात करने पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से ट्रान्सपोर्ट व्यय दिया जा रहा है, किसानों तक इसकी जानकारी का प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। इसके लिए कृषक उत्पादक संगठनों तथा स्वयं सेवी संगठनों की सहायता से चलाए जा रहे अभियान को गति दी जाए। कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि आयोजित कार्यशाला के आधार पर प्रदेश के विभिन्न जिलों की कृषि जलवायु क्षेत्र के आधार पर जैविक उत्पादन नीति बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जैविक खेती प्रोत्साहन के लिए प्रदेश में 9 सेवा प्रदाताओं से एमओयू किये गए हैं। एपीडा के अनुसार प्रदेश में जैविक खेती का रकबा 11.48 लाख हैक्टेयर है। वन क्षेत्र मिलाकर प्रदेश में कुल 20 लाख 55 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में जैविक खेती की जा रही है जो देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में पराली जलाने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। किसानों को खेत में ही अवशेष प्रबंधन के लिए 42 हजार 500 से अधिक कृषि यंत्र भी वितरित किये गए हैं, जिससे पराली जलाने की प्रवृत्ति में कमी आई है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी श्री अनुपम राजन विशेष रूप से उपस्थित थे। सचिव कृषि श्री एम सेल्वेन्द्रन ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन संचालक कृषि श्री अजय गुप्ता ने किया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन विचार मंथन किया जाएगा जिसमें कृषि वैज्ञानिकों, जैविक खेती विशेषज्ञों, कृषक उत्पादक संगठनों, प्रगतिशील किसानों तथा कृषि अधिकारियों के बीच निष्कर्षात्मक संवाद से प्रदेश की जैविक नीति को विकसित करने के प्रयास किये जाएंगे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (आरएनएस) केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। उन्होंने मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह से भोपाल में 24-25 फ़रवरी, 2025 को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की जानकारी दी और उन्हें इस आयोजन से जुड़ी संभावनाओं से अवगत कराया।

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास बुंदेलखंड के लिये बहुत बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 फ़रवरी को कैंसर अस्पताल का शिला-पूजन करेंगे।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन में राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित शहरी आवास भूमि सर्वेक्षण (नक्शा) शहर सर्वेक्षण कार्यक्रम का दीप प्र%वलित कर उद्घाटन किया.

मुख्य सचिव जैन ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तैयारियों की समीक्षा की

परीक्षाओं में अवरोध न उत्पन्न होने देने के दिये निर्देश

भोपाल (आरएनएस) मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने भोपाल में आयोजित होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर भोपाल एवं पुलिस-कमिश्नर को निर्देशित किया कि जीआईएस के दौरान होने वाली परीक्षाओं में कोई अवरोध नहीं हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाये, कोई भी विद्यार्थी परीक्षा केंद्र तक जाने से वंचित न रह जाये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने यातायात व्यवस्था, पार्किंग, ई-बस, ई-कार्ड, बैठक व्यवस्था, होटल, स्वास्थ्य, मेहमानों के

भोजन, आकस्मिक प्लान, प्रधानमंत्री की आगमन-प्रस्थान व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों को समझकर निर्वहन करें। टीम वर्क के साथ कार्य करें जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास में वृद्धि हो सके। बैठक में स्वास्थ्य, नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय प्रशासन, कौशल विकास, उद्यानिकी, खनिज साधन, पर्यटन एवं एमएसएमई विभागों ने प्रेजेंटेशन देकर अपनी तैयारियों की जानकारी दी। बैठक?में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री अशोक बर्णवाल, श्री मनु श्रीवास्तव, श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल, श्री उमाकांत उमराव, श्री राघवेन्द्र सिंह सचिव, श्री सुदाम पी. खाड़े, श्री एम. रघुराज कलेक्टर भोपाल एवं पुलिस कमिश्नर उपस्थित थे।

सहकारिता में निवेश और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा -मंत्री सारंग

भोपाल-(आरएनएस) सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-भोपाल में सहकारिता विभाग के विशेष सत्र की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए पब्लिक को-ऑपरेटिव पार्टनरशिप (पीसीपी) मॉडल को अपनाने के साथ देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ एमओयू कर पैक्स द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन को लेकर भी दिशा-निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपेक्स बैंक के प्रभारी प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता, बीज संघ के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पीसीपी मॉडल को बढ़ावा दिया जायेगा। इस मॉडल में सहकारी समितियों को उद्यमशीलता की दिशा में आगे बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। इससे प्रदेश के किसान, सहकारी संस्थाएँ और उपभोक्ता सीधे लाभान्वित होंगे। बैठक में कंप्रेस्ड बॉयो गैस (सीबीजी) प्लांट की स्थापना की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में सीबीजी प्लांट स्थापित करने की अपार संभावनाएँ हैं। इन संयंत्रों की स्थापना में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

तोमर ने लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार सहित वार्ड-33 में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

ग्वालियर को हर दृष्टिकोण से आदर्श शहर बनायेंगे- ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल-(आरएनएस) ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर शहर के वार्ड-33 के अंतर्गत लक्ष्मण तलैया जीर्णोद्धार कार्य व सीसी रोड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। यह कार्य एक करोड 51 लाख रूपये की लागत से होने जा रहे हैं। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास के नये नये आयाम लिखे जा रहे हैं। इसी क्रम में लक्ष्मण तलैया जैसे ऐतिहासिक स्थल का जीर्णोद्धार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है, ग्वालियर हर दृष्टिकोण से एक आदर्श शहर बने, जहां हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार के साथ-साथ यहाँ पर एलईडी लाइट, वाटर फाउंटेन, बेंच, शौचालय, बच्चों के खेलने के लिए ग्रांउड आदि कार्य कराये जाएगें। सरकार का प्रयास है कि लक्ष्मण तलैया एक टूरिस्ट प्लेस बने और पर्यटक लक्ष्मण तलैया को देखने आएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीर्णोद्धार के साथ ही इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि ग्वालियर का वैभव पुराने स्वरूप में दिखे। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा एतिहासिक स्थलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने खल्लासीपुरा पम्प हाउस से नौगजा रोड एवं आसपास की गलियों में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरा भरा बनाये रखने के लिए आमजन को स्वच्छता में सहयोग करना होगा। इस बार शहर को स्वच्छता में अव्वल स्थान पर लाना है। इसके लिए हमें अपने घरों से स्वच्छता की आदत डालनी होगी। कहीं भी कचरा न फेंके, कचरा सिर्फ कचरा वाहन में ही डालें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जीतू पटवारी ने मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी से की मुलाकात

नई दिल्ली/भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज दिल्ली में मध्यप्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी जी से भेंट की। इस दौरान मध्यप्रदेश में कांग्रेस की आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में प्रदेश में संगठनात्मक मजबूती, आगामी चुनावी तैयारियों, जनसंपर्क अभियानों एवं भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस के संघर्ष को और तेज करने पर विस्तृत मंथन किया गया। श्री पटवारी ने प्रदेश में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, ज़मीनी मुद्दों और जनता से जुड़ी समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश के प्रभारी श्री हरीश चौधरी जी से चर्चा की।

मध्यप्रदेश के प्रभारी श्री हरीश चौधरी जी ने कांग्रेस संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संभावित रणनीतियों और आगामी कार्यक्रमों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं को समझने और कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। श्री पटवारी ने कहाः मध्यप्रदेश कांग्रेस हर स्तर पर मजबूत होगी और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार है।

गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को करेगा सशक्त

अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल (आरएनएस) लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 को लागू करने हेतु जिलों के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 138 प्रशिक्षकों को नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि अनमोल ऐप के विधिवत उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। जिससे गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन होगा।

अनमोल आरसीएच पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है। नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई-रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। इससे जिले और राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। यह पोर्टल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से मातृ शिशु संजीवन मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना के भुगतान को समग्र ई-केवाईसी आधारित बनाया गया है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर और पात्रतानुसार राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

प्रदेश के घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानें 1 अप्रैल 2025 से होंगी बंद

दुकान परिसर में मदिरापान की नहीं रहेगी अनुमति

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के अनुसार प्रदेश में घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानों को 1 अप्रैल 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, अमरकंटक, सलकनपुर, बरमान कला, लिंगा, बरमान खुर्द, कुंडलपुर, बांदकपुर शामिल है। नई आबकारी नीति के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाइन आउटलेट के लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे एवं उनके संचालन की अनुमति भी नहीं होगी।

नये जिलों में मदिरा दुकानों का संचालन एवं प्रशासन वहां के जिला कलेक्टरों के अधीन किया जाएगा। जनजातीय बंधुओं के हित में वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा का विक्रय किया जा सकेगा। एयरपोर्ट काउंटर पर भी हेरिटेज मदिरा विक्रय की अनुमति रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरापान की अनुमति नहीं होगी।

प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति

नई आबकारी नीति के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। जिला निष्पादन समिति मदिरा दुकानों का विस्थापन कर जिले में अन्य स्थान पर विस्थापित दुकान खोलने, दुकान का पोटेंशियल क्षेत्र निर्धारित करने, दुकानों का आरक्षित मूल्य निर्धारण करने, मदिरा दुकानों के एकल समूह का गठन या पुनर्गठन करने, शासन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दुकानों का निष्पादन करने संबंधी सभी कार्य करेगी। अपरिहार्य परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मदिरा दुकान बंद करने के लिए आबकारी आयुक्त प्रस्ताव दे सकेंगे। अंतिम निर्णय राज्य शासन स्तर पर होगा।

वर्ष 2024-25 के वार्षिक मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि उपरांत वर्ष 2025-26 के लिए आरक्षित मूल्य का निर्धारण किया गया है। वर्ष 2025-26 में सर्वप्रथम वर्तमान वर्ष 2024-25 के अनुज्ञप्तिधारियों को नवीनीकरण का अवसर प्रदान किया गया है। तदोपरांत लॉटरी आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। नवीनीकरण एवं लॉटरी आवेदन पत्र से जिले के आरक्षित मूल्य के 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के राजस्व की प्राप्ति होने पर जिले को नवीनीकृत किया जावेगा। जरूरत पड़ने पर ई-टेण्डर और ई-टेण्डर कम ऑक्शन की पद्धति से निष्पादन किया जावेगा।

सभी मदिरा दुकानों पर प्वाइंट आफ सेल मशीनें

सभी मदिरा दुकानों पर प्वाइंट ऑफ सेल (क्क्रस्) मशीनें स्थापित की जायेंगी, मशीन के माध्यम से समस्त प्रकार की मदिरा बोतल पर चस्पा एक्साइज एडेहसिव लेबल (ईएएल) को अनिवार्यतः स्कैन कर ही बिलिंग एवं विक्रय किया जा सकेगा। जो व्यक्ति ब्लैक लिस्टेड है वह मदिरा दुकान /समूह के लिए आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे। विदेशी मदिरा भाण्डागार को स्मार्ट वेयरहाउस में बदला जायेगा। विदेशी मदिरा भाण्डागार पर बायोमेट्रिक ई-लॉक का प्रावधान किया गया है।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर एयरपोर्ट के समान अन्य व्यवसायिक उड़ानें संचालित करने वाले एयरपोर्ट पर भी विदेशी मदिरा काउंटर के लिए अनुज्ञप्ति दी जा सकेगी। आगमन एवं प्रस्थान द्वार पर एक-एक काउण्टर खोलने की अनुमति दी जा सकेगी।

वर्ष 2025-26 में रेस्तरां बार की एक नवीन श्रेणी लो एल्कोहालिक बीवरेज बार प्रारंभ की जाएगी। इस लायसेंस के अंतर्गत रेस्तरां में सिर्फ बीयर, वाईन एवं रेडी-टू-ड्रिंक श्रेणी की विदेशी मदिरा जिसमें अल्कोहल की अधिकतम सीमा 10 प्रतिशत क्ङ्क/ङ्क तक ही हो, के सेवन की अनुमति होगी। किसी भी प्रकार के स्पिरिट का सेवन प्रतिबंधित रहेगा।

वर्ष 2025-26 से व्यवसायिक किस्म के आयोजनों हेतु प्रासांगिक अनुज्ञप्ति (एफएल.-5) की लायसेंस फीस की पृथक श्रेणी रहेगी। व्यवसायिक किस्म के कार्यक्रमों/आयोजनों जिनमें प्रवेश निर्धारित शुल्क के भुगतान के आधार पर दिया जाता है, उस दौरान मदिरा के उपयोग की अनुमति कार्यक्रम में भाग लेने व्यक्तियों की संख्या के अनुसार लायसेंस फीस रहेगी। हेरीटेज मदिरा संबंधी नीति एवं व्यवस्था वर्ष 2024-25 के अनुसार यथावत रहेगी। हेरीटेज मदिरा बनाने वाली इकाइयों द्वारा बनाई हेरीटेज मदिरा को राज्य शासन के वैल्यू एडेड टैक्स (ङ्कञ्ज) से मुक्त रखा जाएगा।

राज्य शासन द्वारा घोषित अंगूर प्र-संस्करण नीति में प्रदेश में फ्लोद्यान विस्तार एवं फ्ल प्र-संस्करण को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रदेश में उत्पादित अंगूर एवं जामुन के अतिरिक्त अन्य फ्लों और प्रदेश में उत्पादित एवं संग्रहित शहद से बनी वाईन का निर्माण किया जा सकेगा।

अर्थात शिवजी के सुंदर मस्तक पर चनद्रमा, सिर पर गंगाजी, तीन नेत्र, साँपों का जनेऊ, गले में विष और छाती पर नरमुण्डों की माला थी। इस प्रकार उनका वेष अशुभ होने पर भी वे कल्याण के धाम और कृपालु हैं। भगवान शंकर के मस्तक पर चन्द्रमा को सुशोभित कर दिया गया। किसी ने पूछा, कि हे भोलेनाथ! आपने उस चन्द्रमा को सीस पर स्थान क्यों दिया, जो कि मन की भाँति चँचल है। गौतम नारि अहल्या का जिसने शील भँग करने का कुप्रयास किया हो, क्या उसे सीस पर सजाना उचित है?

इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी। बीते दो वर्षो से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा। नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री- चुनौतियों का सफर

प्रधानमंत्री मोदी अपनी अलग कार्य शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने के अपने निर्णय को भी अंतिम क्षणों तक गोपनीय रखा। मीडिया के लोग कई लोगों के नामों को लेकर अनुमान लगाते रहे, परंतु हर बार की भांति इस बार भी प्रधानमंत्री ने अपने निर्णय की गोपनीयता को अंतिम क्षणों तक रहस्यमय बनाए रखा और हमने देखा कि दिल्ली की शालीमार गार्डन सीट से पहली बार विधायक बनकर आईं रेखा गुप्ता को उन्होंने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनवा दिया। निश्चित रूप से रेखा गुप्ता के इस चयन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, परंतु स्पष्ट रूप से पार्टी और देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं, इसलिए यही कहा जाएगा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए रेखा गुप्ता को यह दायित्व दिया। प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में ऐसे चेहरों को आगे ला चुके हैं, उनका वह परीक्षण सफल ही रहा है।

इसके पीछे चाहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो या प्रधानमंत्री मोदी या उनके अन्य वरिष्ठ परामर्शदाता हों, सभी का उद्देश्य एक ही रहता है कि नया %बेदाग चेहरा% लोगों को रास आएगा और वह मिले हुए अवसर के दृष्टिगत अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेगा। जब %दागदार चेहरों% को बड़ी जिम्मेदारियां दी जाती हैं तो वे उन्हें पूर्ण निष्ठा के साथ निभा नहीं पाते हैं या फिर अपनी परंपरागत कार्य शैली का परिचय देते हुए भ्रष्टाचार जैसे कार्यों में लग जाते हैं। जिसकी क्षति पार्टी को उठानी पड़ती है और अंत में राष्ट्र को भी ऐसे चेहरों से हानि ही मिलती है। इस प्रकार के नए बेदाग चेहरों को आगे लाने से पार्टी और देश दोनों को दूर तक और देर तक लाभ मिलना स्वाभाविक है। बस अपनी इसी दूरगामी सोच के चलते भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वर्तमान नेतृत्व ऐसे चेहरों को सामने लाता रहता है। पार्टी ने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर नारी सशक्तिकरण के प्रति अपनी निष्ठा को व्यक्त किया है। वैसे भी इस समय देश में केवल एक ही महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल का नेतृत्व कर रही हैं। जब बार-बार नारी सशक्तिकरण की बात की जा रही हो, तब भाजपा ने एक महिला को मुख्यमंत्री बनाकर इस चर्चा को मानो एक नई ऊंचाई दी है। दूसरी बात यह है कि दिल्ली में जिस प्रकार केजरीवाल ने पिछले 11 वर्ष में %रेवड़ी बांटने% की परंपरा के आधार पर शासन किया है, उसके चलते बहुत से विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। दिल्ली के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें पानी की पाइपलाइन कई स्थानों पर गल गई है। जिससे लोगों को मलमूत्र मिले पानी को पीने के लिए अभिशप्त होना पड़ गया है। कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें लोगों को दूध मिलना संभव है, परंतु सही पानी मिलना उनके लिए कठिन हो गया है। बिजली के खंभों या लाइन की व्यवस्था भी कई क्षेत्रों में बहुत खराब हो चुकी है। स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात को लेकर भी यही कहा जा सकता है। ऐसे में पानी और बिजली की नई लाइन बिछाना और लोगों के स्वास्थ्य व सुविधा के दृष्टिगत उन्हें स्वच्छ पानी और बिजली उपलब्ध कराना दिल्ली की मुख्यमंत्री के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए यदि वह ऐसा करती हैं तो नौटंकी बाज केजरीवाल को लोग भूल जाएंगे। कोई भी घिसापिटा चेहरा इस काम को करने में लापरवाही बरत सकता था। इसलिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक नए ऊर्जावान चेहरे को दिल्ली की बागडोर सौंपी है तो इसके पीछे उद्देश्य यह है कि काम ऐसा किया जाए, जिससे लोग केजरीवाल को भूल जाएं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केजरीवाल अपनी नौटंकियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने चाहे कितने ही शालीन भाव से दिल्ली के मतदाताओं के जनादेश को स्वीकार किया हो, परंतु इसके पीछे भी उनकी विनम्र नौटंकी ही है। उनसे पूरी उम्मीद की जा सकती है कि वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चलाने में हर प्रकार का रोड़ा अटकाने का प्रयास करेंगे। लोगों को भ्रमित करेंगे और अपनी नौटंकीवादी राजनीति को सड़कों व चौराहों पर दिखाने का हर संभव प्रयास करेंगे। ऐसे में एक गंभीर नेतृत्व को आगे लाना भारतीय जनता पार्टी के लिए अनिवार्य था। रेखा गुप्ता के भीतर ऐसे ही एक गंभीर व्यक्तित्व को देखा गया है, जो प्रत्येक प्रकार की नौटंकी का सामना करते हुए धैर्य के साथ दिल्ली की जनता की सेवा कर सके। स्पष्ट है कि भाजपा ने सत्ता का स्वाद लेने के लिए रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री का दायित्व नहीं दिया है, बल्कि पार्टी को निरंतर सत्ता में बनाए रखकर राष्ट्र सेवा करते रहने के लिए उन्हें यह दायित्व दिया गया है। भाजपा की इस प्रकार की रणनीति को केजरीवाल और राहुल गांधी भली प्रकार जानते हैं। भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के चेहरे को ढूंढने में लगे 10-12 दिन के समय को लेकर इन दोनों पार्टियों को इसी बात की चिंता हो रही थी कि भाजपा उन्हें देर तक सत्ता से दूर रखने के लिए मुख्यमंत्री बनाने में जिस प्रकार विलंब कर रही है, वह उनके लिए ही हानिकारक होगा।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं।

महाकुंभ के बहाने सनातन के अपमान की पराकाष्ठा

यूपी में समाजवादी पार्टी ने तो महाकुंभ के खिलाफ एक नियमित अभियान ही चला दिया है। सपा के प्रवक्ता टीवी चैनलों पर कह रहे है कि हम विरोधी दल हैं हमारा तो काम ही सरकार से व्यवस्थाओं पर सवाल करना है। तो सरकार पर सवाल करो ना, सनातन पर क्यों कर रहे हो? प्रयागराज में दिव्य-भव्य महाकुंभ के आयोजन की तैयारियों के समय से ही इंडी गठबंधन के सभी दलों के नेता किसी न किसी बहाने इसकी आलोचना कर रहे थे किन्तु इसके सफलतापूर्वक संचालित होते हुए देखने के बाद तो वो इसको विफल करने के लिए तरह तरह के प्रयास कर रहे हैं और अपने वक्तव्यों से महाकुम्भ मेले की आड़ में सनातन धर्म और हिन्दू आस्था का निरंतर अपमान कर रहे हैं। खडगे के क्या कुम्भ में नहाने से गरीबी दूर होगी, से शुरू हुआ ये अपमान अब महाकुम्भ को मृत्यु कुम्भ कहने तक जा पंहुचा है। बिहार के चारा घोटाले के मुख्य आरोपी न्यायपालिका की दया से जमानत पर बाहर घूम रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने महाकुंभ को फालतू का कुंभ कहा और फिर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी सीमाओं को पार करते हुए महाकुंभ को मृत्युकुंभ कह डाला जिससे संपूर्ण हिंदू समाज आक्रोशित है। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में अंधे हो चुके इन सभी दलों के नेताओं को यह महाकुंभ इसलिए रास नहीं आ रहा है क्योंकि यह अब तक का सर्वाधिक सफल महाकुंभ बनने जा रहा है। इस महाकुंभ से सनातन हिंदू समाज की एकता का जो ज्वार उभरा है उससे मुस्लिम परस्त दलों को अपना भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस प्रकार से महाकुंभ को मृत्युंकुभ कहा है उससे यह साफ प्रतीत हो रहा है कि उन्हें अब 2026 में राज्य के विधानसभा चुनावों में संभावित हिन्दू एकता से भय लगने लगा है। इंडी गठबंधन के कई दलों के प्रमुख नेता जहाँ महाकुंभ की आलोचना कर रहे हैं वहीं उन्हीं दलों के बहुत से नेता वीवीआईपी टीट्रमेंट के साथ गंगा नदी में पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, डीके शिवकुमार, अजय राय, सचिन पायलट यह सभी माँ गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। यूपी में समाजवादी पार्टी ने तो महाकुंभ के खिलाफ एक नियमित अभियान ही चला दिया है। सपा के प्रवक्ता टीवी चैनलों पर कह रहे है कि हम विरोधी दल हैं हमारा तो काम ही सरकार से व्यवस्थाओं पर सवाल करना है। तो सरकार पर सवाल करो ना, सनातन पर क्यों कर रहे हो? सपा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी महाकुंभ के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया जा रहा है। महाकुंभ -2025 पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए सपा सांसद अफजाल अंसारी पर मुकदमा तक दर्ज हुआ है क्योंकि उन्होंने कहा था कि संगम पर भीड़ देखकर लगता है कि स्वर्ग हाउसफुल हो जायगा। उत्तर प्रदेश विधान सभा सत्र में बोलते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को फालतू कुंभ और मृत्यु कुंभ बताने वालों को सटीक और कड़ा जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि सनातन का आयोजन भव्यता से करना अगर अपराध है तो ये अपराध मेरी सरकार ने किया है

कब और कैसे शुरू करना चाहिए साईं बाबा के व्रत, जानिए पूजन और उद्यापन विधि

हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन साईं बाबा को समर्पित होता है। साईं बाबा के लिए सभी भक्त एक समान हैं। उन्होंने कभी भी धर्म या जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया है। जो भी जातक सच्चे मन से साईं बाबा की भक्ति करते हैं, उनके सभी कष्टों का निवारण हो जाता है। वहीं साईं बाबा का नाम जपने मात्र से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं कुछ जातक गुरुवार को व्रत भी करते हैं, जिससे साईं बाबा की कृपा प्राप्त की जा सके। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको साईं बाबा व्रत के नियम और पूजन विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

आप किसी भी महीने के गुरुवार से साईं बाबा का व्रत शुरूकर सकते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए 9 गुरुवार तक लगातार साईं बाबा का व्रत रखना शुभ होता है। व्रत को शुरू करते समय 5, 7, 9, 11 या 21 व्रत का संकल्प करें। मन्नत पूरी होने के बाद उद्यापन करें। गुरुवार व्रत का उद्यापन करने के बाद इस दिन गरीबों को भोजन जरूर कराएं और अपने सामर्थ्य अनुसार दान दें। वहीं गरीबों की सेवा करने से साईं बाबा जल्दी प्रसन्न होते हैं।

यूरोप को राजनीतिक और कूटनीतिक झटके

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है।

कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फार्मूला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है।

वैवाहिक जीवन में नई खुशियां लाता है फुलेरा दूज त्योहार, होगी रिकॉर्ड तोड़ शादियां

फाल्गुन माह की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज के रूप में मनाया जाता है। इस बार फुलेरा दूज 1 मार्च 2025 को मनायी जाएगी। यह दिन होली के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन से होली के पर्व की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं। इस दिन से उत्तर भारत के गांवो में जिस स्थान पर होली रखी जाती हैं वहां पर प्रतीकात्मक रूप में उपले या फिर लकड़ी रख दी जाती हैं। कई जगहों पर इस दिन को उत्सव की तरह मनाया जाता है।

इस दिन से लोग होली में चढ़ाने के लिए गोबर की गुलरियां भी बनाई जाती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 01 मार्च को रात्रि 03:16 मिनट से शुरू हो रही है और तिथि का समापन 02 मार्च को रात्रि 12:09 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। इस प्रकार 01 मार्च को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा। फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन विवाह के लिए किसी ज्योतिषीय गणना की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि इस दिन कई शादियां होती हैं।

पथरीली और बंजर जमीन हरी-भरी

भारत डोगरा

किसी भी किसान के लिए बहुत उत्साहवर्धक स्थिति है कि पथरीली और बंजर पड़ी भूमि हरी-भरी फसलों से मुस्कराने लगे और यह उत्साह आज राजस्थान के करौली जिले के अनेक किसानों में दिखाई दे रहा है।

मकनपुरस्वामी गांव (मंडरयाल ब्लॉक) के कृषक बल्लभ और विमला ने बताया कि उनके गांव में पत्थर का खनन होता रहा है और बहुत सी जमीन पथरीली होने के साथ खनन के पत्थर भी इधर-उधर बिखरे रहते हैं। गांव में पानी की बहुत कमी थी। अत: उनकी जमीन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बंजर पड़ा था।

इस स्थिति में आसपास के अनेक गांवों ने चंदा एकत्र किया और फिर श्रमदान करते हुए वप्रा के बहते पानी को एक स्थान पर रोक कर जल संकट को कुछ हद तक कम किया। आगे वे बताते हैं कि इससे भी बड़ा बदलाव तब आया जब 'सृजन' नामक संस्था ने जल-स्रेतों से मिट्टी हटवा कर खेतों में डलवाई। इससे जल-स्रेत में गहराई आई, अधिक जल एकत्र होने लगा और खेतों का उपजाऊपन बढ़ा। खेतों की मेढ़बंदी की तो उनमें भी पानी रुकने लगा। कृषि भूमि का समतलीकरण किया गया। इस सब का मिला-जुला असर यह हुआ कि बहुत सी पथरीली बंजर भूमि पर अब खेती होने लगी।

बल्लभ और विमला अपने हरे-भरे सब्जी के खेत दिखाते हुए बताते हैं कि 'सृजन' ने बीज, पौधों और प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण द्वारा सहायता दी। आरंभ में प्राकृतिक खेती में कुछ कठिनाई आई पर अब प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की कीमत डेढ़ गुनी मिल रही है। विविध सब्जियों का फसल-चक्र वर्ष भर चलता रहता है, जिससे आय भी होती है और पोषण भी सुधरता है। पशुओं के गोबर और मूत्र की खाद बनाने के लिए बायो-रिसोर्स सेंटर भी उन्होंने स्थापित किया है। इसी गांव के किसान मान सिंह बताते हैं कि 'सृजन' ने उनके जैसे कुछ किसानों को सोलर पंप सेट लगाने में सहायता दी और कुछ अन्य को सरकारी विभागों से यह सब्सिडी सहित प्राप्त करने में सहयोग भी दिया। इनके सोलर पंप बहुत कामयाब हैं और डीजल के खर्च में भी बहुत कमी आई है, जबकि प्राकृतिक खेती के प्रसार से अन्य खचरे में बहुत कमी आई है।

इसी प्रखंड में जगदड़पुरा की महिला किसान संगठित हुई हैं, और नियमित मीटिंग कर विकास कार्य को आगे बढ़ाती हैं। यह गांव राजस्थान की सीमा पर है और थोड़ा सा आगे जाकर मध्य प्रदेश के मुरैना जिले या चम्बल क्षेत्र के बीहड़ आरंभ हो जाते हैं। अत: यहां भूमि बंजर होने का खतरा बीहड़ों के प्रसार से भी है और मिट्टी के अधिक कटाव से बीहड़ फैलते और बढ़ते हैं। गांव के किसान अपनी मेहनत से जमीन को समतल कर इस कठिन स्थिति को संभालते हैं। यहां 'सृजन' के प्रयासों ने किसानों की हिम्मत को बहुत बढ़ा दिया है। गांव की महिलाओं ने सामूहिक चर्चा में बताया कि पहाड़ी क्षेत्र में जल-संरक्षण कार्य 'सृजन' की सहायता से हुए हैं जिससे जल-स्तर में सुधार हो रहा है। भूमि का समतलीकरण और मेढ़बंदी को भी बढ़ाया गया है और प्राकृतिक खेती का प्रसार किया गया है।

ऐसे विभिन्न प्रयासों से इस गांव में लगभग 25 हैक्टेयर बंजर भूमि पर खेती होने लगी है और इससे लगभग दो गुनी भूमि पर फसल की सघनता और उत्पादकता बढ़ी है। जिस भूमि पर पहले केवल बाजरा होता था, उस पर अब गेहूं, चना, सरसों और सब्जियां सब हो रहे हैं। 'सृजन' के माध्यम से सरकारी कृषि विज्ञान केंद्र से भी मजबूती का संबंध बना है और सिलाई की मशीन, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर आदि का लाभ मिला है। खारा पानी गांव की बड़ी समस्या है और जब जल जीवन मिशन में लगे नल से बेहतर गुणवत्ता का पानी आने लगा तो लोग बहुत प्रसन्न हुए पर किसी अन्य गांव में पानी फसल के लिए लेने हेतु पाइपलाइन तोड़ दी गई तो यहां नल में पानी आना रुक गया और लोग फिर खारा पानी पीने को मजबूर हो गए। इसी ब्लॉक में स्थित तीन पोखर गांव पथरीली भूमि और पानी की कमी के अतिरिक्त जंगली जानवरों के प्रकोप से त्रस्त रहा है।

यहां की बहुत कठिन स्थितियों को देखते हुए अनेक संस्थाओं ने जल-संरक्षण का कार्य किया। हाल के समय में 'सृजन' ने 8 पोखर बनवाए, 18 पोखरों को गहरा किया, मेढ़ पक्की की और अन्य सुधार किए। प्राकृतिक खेती का प्रसार किया और सरकारी सहायता प्राप्त करने में सहयोग किया। इसका असर यह हुआ है कि विकट परिस्थितियों और विशेषकर जंगली पशुओं संबंधी बढ़ती कठिनाइयों के बावजूद कुछ किसान बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने में जुटे हैं और खेत से पत्थर हटाने, समतलीकरण, उपजाऊ मिट्टी डलवाने के कार्य 'सृजन' जैसी संस्थाओं के सहयोग से कर रहे हैं। सपोटरा ब्लॉक में कैला देवी धार्मिक स्थल से आगे पहाड़ी वनीय क्षेत्र इस जिले में अधिक हैं। यहां के मार्ग बहुत कठिन हैं और गांव दूर-दूर तक बिखरे हुए हैं। ऐसे बड़े क्षेत्र प्राय: नजर आते हैं जहां सिंचाई मिलने से खेती हो सकती है पर पानी के अभाव में भूमि बंजर पड़ी है।

अपने सीमित संसाधनों के आधार पर 'सृजन' ने ऐसे अनेक गांवों को चुना है और बड़ी संख्या में पोखर बनवाए हैं या पहले से बने पोखरों का सुधार किया है और उनकी सफाई के दौरान प्राप्त मिट्टी से खेतों को अधिक उपजाऊ बनाया। रावतपुरा एक ऐसा ही गांव है जहां 'सृजन' ने वर्ष में लगभग 13 नये जल स्रेत या पोखर बनवाए और लगभग इतने ही पहले से बने पोखरों का सुधार भी किया। इस कार्य के फलस्वरूप लगभग 200 एकड़ बंजर भूमि पर खेती होने लगी और लगभग इतनी ही भूमि पर एक के स्थान पर दो फसल होने लगीं और उत्पादकता भी बढ़ गई। जहां पहले वप्रा आधारित धान होता था, वहां रबी की फसल में भी गेहूं, चने, सरसों का उत्पादन होने लगा। पहले अपना पेट भरने लायक अनाज भी किसान प्राप्त नहीं कर रहे थे, वहां अब व्यापारी गांव में आकर ही गेहूं, सरसों आदि खरीदने लगे। एक किसान देवी सिंह की लगभग आधी भूमि बंजर पड़ी थी पर अब इस भूमि पर भी खेती हो रही है, फसल लहलहा रही है। किसान इन विभिन्न विकास कार्य में लगभग एक तिहाई आर्थिक सहयोग स्वयं देने को तैयार रहते हैं जबकि लगभग दो तिहाई सहयोग 'सृजन' की ओर से किया जाता है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है,

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जाएगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें।

मकर राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको खुशी होगी।

मीन राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे के जवाब में कि बाइडेन प्रशासन ने भारत में किसी और को निर्वाचित कराने के लिए 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान किए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत में अमेरिकी फंडिंग के बारे में खुलासे परेशान करने वाले हैं। जयसवाल ने कहा कि इस घटनाक्रम से भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर सार्वजनिक टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, इसलिए संबंधित अधिकारी इस पर गौर कर रहे हैं, और उम्मीद है कि हम बाद में इस पर अपडेट दे सकते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाता सूची में हेरफेर का उठाया मुद्दा, भाजपा पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को विभिन्न राज्यों में चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा मतदाता सूची में हेरफेर का मुद्दा उठाया।

एआईसीसी महासचिवों और प्रभारियों की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न राज्यों के प्रभारी संगठन और संबंधित राज्यों में चुनावी प्रदर्शन के लिए जवाबदेह होंगे।

उन्होंने महासचिवों और प्रभारियों से कहा, मैं आपको जवाबदेही के बारे में एक बहुत महत्वपूर्ण बात बताना चाहूंगा। आप सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य के चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे।

मतदाता सूची में हेरफेर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, यह चुनावों में बड़े पैमाने पर हो रहा था और राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लोकसभा में भी उठाया था। इस धांधली को हर कीमत पर रोकना होगा।

उन्होंने बताया कि कैसे कांग्रेस समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए या अंतिम समय में नाम हटाकर दूसरे मतदान केंद्र में जोड़ दिए गए। उन्होंने भाजपा पर चुनाव से ठीक पहले नए नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्तों की चयन समिति से बाहर कर सरकार द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन प्रक्रिया में हेरफेर का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश को भी शामिल किया गया था, लेकिन मोदी सरकार ने उन्हें भी हटा दिया। सरकार को देश के मुख्य न्यायाधीश की निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है।

उन्होंने अमेरिका की यात्रा के दौरान देश के व्यापार और व्यावसायिक हितों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के व्यापार और व्यावसायिक हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने का विरोध नहीं किया। वे हम पर घाटे का सौदा थोप रहे हैं, जिसे हमारी सरकार चुपचाप स्वीकार कर रही है। यह स्पष्ट रूप से भारत और उसके लोगों का अपमान है। अमेरिका आर्थिक मामलों में भी हमें गहरा नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने संविधान बचाओ अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि यह अगले एक साल तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत पदयात्रा, संवाद और नुक्कड़ सभाएं जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ऐसे हर कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली में पार्टी के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि संसाधनों की कमी के बावजूद उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और बदलाव का माहौल बनाया। अगले पांच वर्षों के लिए हमारा प्रयास सार्वजनिक मुद्दों पर लगातार संघर्ष और जन आंदोलनों का नेतृत्व करके मुख्य विपक्ष के रूप में खुद को स्थापित करना होगा।

इस बार सरसों की सरकारी खरीद होगी 15 मार्च से शुरू : मुख्यमंत्री नायब सिंह

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस बार सरसों की फसल के मंडी में जल्द आगमन को देखते हुए 28 मार्च की बजाए 15 मार्च से ही सरकारी खरीद शुरू कर दी जाए।

मुख्यमंत्री रबी विपणन मौसम 2025-26 के दौरान सरसों की खरीद करने बारे आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सरसों की खरीद की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसान हितों को हमेशा सर्वोपरि रखती है और हमेशा किसानों की भलाई के कार्यों को तवज्जो देती है। हरियाणा ऐसा पहला प्रदेश है जहां सभी फसलों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सरसों की खरीद के लिए 108 मंडियां निर्धारित की गई हैं। उन्होंने खरीद एजेंसियों, मंडी बोर्ड व संबंधित विभागों को सरसों की खरीद सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाल ही में कोलकाता में हुई रेल दुर्घटनाओं के बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के खिलाफ विरोध रैली में हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में मुलाकात करते हुए।

महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहना भारतीय संस्कृति को मानने वालों हिंदुओं का अपमान : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। मौर्य ने कहा कि चाहे वह ममता बनर्जी हों या फिर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, महाकुंभ के सफल आयोजन से इन लोगों को चिढ़ हो रही है। इन नेताओं को केवल मुस्लिम तुष्टिकरण से संबंधित कार्यों में ही रुचि है और महाकुंभ जैसे भारतीय संस्कृति के प्रतीक आयोजन को नकारात्मक तरीके से पेश करना मुख्य उद्देश्य है।

ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को %मृत्यु कुंभ% कहे जाने पर मौर्य ने कहा कि महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहना भारतीय संस्कृति को मानने वाले करोड़ों हिंदुओं का अपमान है। इस अपमान का जवाब जरूर मिलेगा, लेकिन ममता बनर्जी और अखिलेश यादव को महाकुंभ पर बार-बार सवाल उठाने के लिए तत्काल क्षमा मांगनी चाहिए।

केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के उस %एक्स% पोस्ट पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा असंसदीय भाषा के उपयोग करने की बात कही थी। मौर्य ने इस पर कहा कि समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के लोग अगर ज्ञान न दें तो अच्छा होगा। जिस प्रकार से प्रदेश की सेवा हो रही है और आम जनता खुशी से झूम रही है, यह समाजवादी पार्टी को हजम नहीं हो रहा है। उनका हाजमा खराब हो गया है। कुंभ की सफलता से वह विक्षिप्त अवस्था में पहुंच गए हैं।

मौर्य ने आगे कहा कि कुंभ इतना सफल हुआ है कि आपको इसे स्वीकार करना चाहिए। आप यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, यहां के सांसद हैं और एक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन क्योंकि उनकी तुष्टिकरण की राजनीति में कुंभ की सफलता नहीं समाती, इसलिए वह ऐसी बातें करते हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और मल्लिकार्जुन खड़गे को भी निशाने पर लिया, जो कुंभ के विरोध में लगातार बयान दे रहे हैं। मौर्य का कहना था कि ये नेता अपनी पार्टी को रसातल की ओर ले जा रहे हैं, और उनकी राजनीति केवल नफरत फैलाने और तुष्टिकरण पर आधारित है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए महाकुंभ को मृत्यु कुंभ की संज्ञा दी थी, जिसको लेकर बवाल देखने को मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस धार्मिक आयोजन में वीवीआईपी को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि गरीब और सामान्य श्रद्धालु इन सुविधाओं से वंचित हैं।

महाकुंभ नगर (आरएनएस)। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार, इस बार के महाकुंभ ने 3 लाख करोड़ रुपए (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है,

केंद्र सरकार आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए चट्टान की तरह खड़ी- अमित शाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा है कि मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चट्टान की तरह खड़ी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक समिति ने 2024 के दौरान अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 1554.99 करोड़ रुपये में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए चट्टान की तरह खड़ी है। आज गृह मंत्रालय ने एनडीआरएफ के तहत आंध्र प्रदेश, नागालैंड, ओडिशा, तेलंगाना और त्रिपुरा को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और कतर के बीच समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साक्षी बने।

उत्तराखंड में सख्त भू-कानून के प्रस्ताव को मंजूरी, संशोधन विधेयक पर कैबिनेट ने लगाई मुहर

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कैबिनेट ने बुधवार को भू-कानून को मंजूरी दे दी। प्रदेश में इस कानून की मांग लंबे समय से उठ रही थी। जानकारी के अनुसार, धामी सरकार ने इस कानून को बजट सत्र में पेश करने का निर्णय लिया है, ताकि इसे लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राज्य, संस्कृति और मूल स्वरूप की रक्षक हमारी सरकार! उन्होंने आगे कहा, प्रदेश की जनता की लंबे समय से उठ रही मांग और उनकी भावनाओं का पूरी तरह सम्मान करते हुए आज कैबिनेट ने सख्त भू-कानून को मंजूरी दे दी है। यह ऐतिहासिक कदम राज्य के संसाधनों, सांस्कृतिक धरोहर और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा, साथ ही प्रदेश की मूल पहचान को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम ने कहा, हमारी सरकार जनता के हितों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और हम कभी भी उनके विश्वास को टूटने नहीं देंगे। इस निर्णय से यह स्पष्ट हो जाता है कि हम अपने राज्य और संस्कृति की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने 1.48 करोड़ के सोने के साथ भारतीय तस्कर को पकड़ा

नदिया (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सोने की तस्करी के एक बड़े प्रयास को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने नाकाम कर दिया। जवानों ने बांग्लादेश से भारत में तस्करी की कोशिश कर रहे एक भारतीय को चार सोने की छड़ें, पांच सोने के बिस्कुट और एक छोटे सोने के टुकड़े के साथ गिरफ्तार किया। बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि नदिया के बानपुर गांव से तस्करों का एक समूह बांग्लादेश से सोने की तस्करी करने की फिराक में है। इस सूचना के आधार पर जवानों ने बानपुर सीमा क्षेत्र में जाल बिछाया। वे बाड़ के पास छिप गए और तस्करों का इंतजार करने लगे। कुछ देर बाद जवानों ने सीमावर्ती गांव फुलबारी (बानपुर) से एक संदिग्ध भारतीय तस्कर को आते देखा। संदिग्ध व्यक्ति अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पहुंचा और बांग्लादेश से आए दो पैकेट उठा लिए। जैसे ही वह पैकेट लेकर वापस जाने लगा, जवानों ने उसे घेर लिया और रुकने का आदेश दिया। खुद को घिरा देखकर तस्कर ने भागने की कोशिश की। जवानों ने तस्कर को रोकने के लिए सुरक्षित जगह पर पीएजी (गैर-घातक गोला-बारूद) से एक राउंड फायर किया। चेतावनी की आवाज सुनकर संदिग्ध घबरा गया और बीएसएफ के जवानों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। जवानों ने तस्कर के पास से दो छोटे पैकेट बरामद किए। उनमें 4 सोने की छड़ें, 5 सोने के बिस्किट और एक छोटा सोने का टुकड़ा था।

मुडा भूमि घोटाला केस : सीएम सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को मिली क्लीन चिट, लोकायुक्त को नहीं मिला सबूत

बेंगलुरू (आरएनएस)। मुडा मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को क्लीन चिट मिल गई है। लोकायुक्त पुलिस का कहना है कि सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि जांच अधिकारियों ने शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को बताया कि सबूतों के अभाव में दोनों पर आरोप साबित नहीं हो सके हैं। इस मामले में हाईकोर्ट को अंतिम रिपोर्ट दे दी है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी के अलावा उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी और जमीन मालिक देवराजू भी आरोपी हैं। यह मामला सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मिले प्लॉट्स से जुड़ा है। आरोप था कि पार्वती को मैसूर के एक पॉश इलाके में महंगे प्लॉट्स आवंटित किए गए, जबकि उनकी जमीन शहर के बाहरी इलाके में थी। इस डील से राज्य को करीब 45 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। तीन भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को चिट्ठी लिखकर इस मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने लखनऊ स्थित विधान भवन में विरोध प्रदर्शन किया.

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला 2025 के दौरान गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई।

हिसार में कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व प्रत्याशी रामनिवास राड़ा समेत कई नेता भाजपा में शामिल

हिसार (आरएनएस)। हरियाणा में आगामी चुनावी गतिविधियों के बीच कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। हिसार विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास राड़ा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। उनके साथ पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रोहित, हिसार लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सनेत समेत एक दर्जन नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।इन सभी नेताओं को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी की पगड़ी पहनाकर विधिवत रूप से भाजपा में शामिल कराया। इस राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा के लिए बड़ी जीत और कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रामनिवास राड़ा व उनके समर्थकों के भाजपा में शामिल होने के पीछे कई राजनीतिक समीकरण बताए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा ने भी उन्हें पार्टी में शामिल कर हिसार की राजनीति में अपनी स्थिति मजबूत करने के संकेत दिए हैं। इस मौके पर रामनिवास राड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में किए जा रहे विकास कार्य सराहनीय हैं। मैं खुद भी हरियाणा की जनता की सेवा करना चाहता हूं, इसलिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। हिसार में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामनिवास राड़ा कांग्रेस प्रत्याशी थे, ऐसे में उनका भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए संघर्षपूर्ण साबित हो सकता है। वहीं, पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा और युवा कांग्रेस के कई बड़े चेहरे भी भाजपा में चले गए, जिससे कांग्रेस की जमीनी पकड़ कमजोर हो सकती है। यह घटनाक्रम भाजपा के लिए चुनावी बढ़त साबित हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस के इन नेताओं का हिसार लोकसभा सीट और विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है। हरियाणा में भाजपा लगातार विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने पाले में लाने में लगी हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा मजबूत संगठन बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। कांग्रेस की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह सिलसिला भविष्य में भी जारी रह सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस की कमजोर होती स्थिति का फायदा भाजपा उठा रही है। हिसार में माहौल पहले से ही भाजपा के पक्ष में था, अब कांग्रेस नेताओं के शामिल होने से पार्टी और मजबूत होगी।

प्राजक्ता कोली उर्फ, लोकप्रिय और अभिनेत्री जो अपने अनोखे सेंस ऑफ ह्यूमर और भरोसेमंद कंटेंट के लिए जानी जाती हैं, अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड वृषांक खनल के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सगाई के करीब दो साल बाद, यह जोड़ा अपनी शादी के लिए तैयार हो रहा है, जो 25 फरवरी, 2025 को होने वाली है।

मुझे दुख पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने सोशल मीडिया पर नकारात्मकता का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा नहीं मानतीं और वह अब किसी को भी दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देतीं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने कहा, मैं इन लोगों को अपने जीवन का हिस्सा भी नहीं मानती। व्यक्तिगत रूप से मैं किसी की पोस्ट पर नकारात्मक या सकारात्मक कमेंट करने में अपना समय बर्बाद नहीं करूंगी। यह बेकार है। लेकिन कुछ लोगों के पास नकारात्मक कमेंट करने के लिए इतना समय और एनर्जी होती है। मैं सच में नहीं समझ पाती कि वे इतने स्वतंत्र कैसे और क्यों हैं?

अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे दिन भी आते हैं, जब वह उदास महसूस करती हैं और ऐसे में वह अपने माता-पिता से बात करना पसंद करती हैं।

उन्होंने कहा, मैं अब किसी को भी मुझे दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। अब मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं, जो खुद को दुख पहुंचा सकती हूं। पहले मैंने लोगों को मुझे दुख पहुंचाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में माता-पिता के साथ दादी को महत्वपूर्ण स्थान देती हैं। उन्होंने कहा, अभी भी ऐसे दिन हैं, जब आपको लगता है कि आपको किसी की जरूरत है और मेरे लिए वह मेरी मां, पिता और मेरी दादी मां हैं। जब उनसे पूछा गया कि वह सुर्खियों में रहने के बाद अपनी पर्सनल लाइफ को कैसे मैनेज करती हैं तो ईशा ने कहा, जब आप एक सेलिब्रिटी होते हैं और लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं, तो आपका जीवन निजी नहीं रह जाता है।

क्रेजी का ट्रेलर जारी, बेटी को बचाने चक्रव्यूह में फंसे सोहम शाह

साल 2024 में 'तुम्बाड' फिल्म की हर तरफ काफी चर्चा हुई थी. इस फिल्म के री-रिलीज वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था. सोहम शाह ने इस फिल्म के जरिए लोगों का दिल जीत लिया था. अब वो अपनी ऑडियंस को एक क्रेजी राइड पर ले जाने वाले हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म 'क्रेजी' का ट्रेलर जारी हो गया है.

मेकर्स ने 17 फरवरी को 'क्रेजी' का ट्रेलर रिलीज किया है. ट्रेलर काफी शानदार है और देखकर ऐसा लग रहा है कि सोहम शाह ने एक बार फिर से ऑडियंस का दिल जीतने की तैयारी कर ली है. ट्रेलर की शुरुआत एक वीडियो मैसेज से होती है. सोहम अपनी कार में बैठे हैं और उन्हें धमकी भरा एक वीडियो मैसेज आता है. सोहम इसमें डॉक्टर अभिमन्यु सूद का किरदार निभा रहे हैं,

ब्लैक शॉर्ट्स पहन अवनीत कौर ने दिखाया कातिलाना लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

टीवी इंडस्ट्री अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर ने ब्लैक कलर का टॉप और ब्राउन कलर के शॉर्ट्स पहने हुए हैं। साथ ही एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के,

हाथों में छोटा सा बैग, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस की निगाहें उन पर अटक गई हैं। अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइलिश लुक को फॉलो करते हैं।

एक यूजर ने एक्ट्रेस को ट्रोल करते हुए लिखा है- इसको क्या हो गया। दूसरे ने लिखा है- पता नहीं कैसे-कैसे कपड़े पहन लेते हैं। तीसरे यूजर ने लिखा है- बेशर्मी की हद हो गई है। वहीं, कई यूजर्स ने तारीफ भी की है। अवनीत कौर ने कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए एक बार फिर से सोशल मीडिया का टैम्परेचर बढ़ा दिया है।

खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की नादानियां का नया गाना गलतफहमी जारी

अभिनेता इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की फिल्म 'नादानियां' के निर्माताओं ने इसका दूसरा ट्रैक 'गलतफहमी' रिलीज कर दिया है। फिल्म का नया गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है। इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! 'गलतफहमी' गाना रिलीज हो चुका है। 'गलतफहमी' गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, 'गलतफहमी' में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है। खुशी ने कहा, 'गलतफहमी' ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह 'नादानियां' एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे।

मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कहा, हम दर्शकों से मिले प्यार के लिए आभारी हैं और इस प्यार भरे ट्रैक के बाद गलतफहमी को लेकर आए हैं, जहां खूबसूरती के साथ इमोशंस भरे पड़े हैं। हम एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे, जो आपको अपनी ओर खींचे, जो आपको अपनी भावनाओं के साथ थोड़ी देर बैठने पर मजबूर करे। मुझे उम्मीद है कि वे इससे उतना ही जुड़ेंगे जितना हमने इसे बनाते समय जुड़ाव महसूस किया था। शौना गौतम के निर्देशन में बनी 'नादानियां' को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है। 'नादानियां' में इब्राहिम अली, खुशी कपूर के साथ दीया मिर्जा और सुनील शेट्टी भी हैं। खुशी कपूर की यह तीसरी फिल्म है। वहीं, सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान इस फिल्म के साथ डेब्यू करने को तैयार हैं।

प्राइम वीडियो की नई कॉमेडी सीरीज दुपहिया का एलान, 7 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

छोटे शहर की अनूठी कहानी को मजेदार अंदाज में पेश करती वेब सीरीज 'दुपहिया' प्राइम वीडियो पर रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज में अभिनेता गजराज राव और रेणुका शहाणे दर्शकों को साथ में हंसाते नजर आएंगे।

पंचायत के फुलेरा को टक्कर देने प्राइम वीडियो की नई सीरीज दुपहिया आने वाली है, जिसका प्रीमियर 7 मार्च को होगा।

'दुपहिया' की कहानी एक काल्पनिक गांव धड़कपुर पर आधारित है, जो अपराध मुक्त होने के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाला है। हालांकि, गांव की शांति में खलल तब पड़ जाती है, जब एक कीमती दुपहिया (मोटरसाइकिल) चोरी हो जाती है। इस बीच गांव वाले बाइक का पता लगाने के लिए जुट जाते हैं और एक साहसिक अनोखे सफर पर निकल पड़ते हैं।

बॉम्बे फिल्म कार्टेल बैनर के तहत सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी ने इसका निर्माण किया है। वहीं, निर्देशक सोनम नायर हैं।

सीरीज की कहानी को अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने लिखा है। नौ एपिसोड की सीरीज मनोरंजन से भरपूर बताई जा रही है, जिसमें रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, गजराज राव, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

दुपहिया का प्रीमियर भारत के साथ ही 240 से अधिक देशों में 7 मार्च से होगा।

शो की घोषणा करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ब्रेकिंग न्यूज भारत का एकमात्र अपराध-मुक्त गांव अपने पहले अपराध की रिपोर्ट करता है। कौन ले गया इस सैयां का दुपहिया? जानते हैं?

एक बयान में प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, यह सीरीज कॉमेडी, दिल और भारत के छोटे से शहर के सार को खूबसूरती से मनोरंजन के साथ पेश करती है। रोमांच, मनोरंजन, नए-नए मोड़ के साथ मंझे हुए कलाकारों से लिपटी सीरीज आपसे मनोरंजक होने का वादा करती है।

निर्देशक सोनम नायर ने कहा, दुपहिया को बनाने का सफर शानदार रहा। यह सीरीज कॉमेडी के साथ छोटे शहर की जिंदगी का उत्सव मनाती है।

सीरीज में शानदार कलाकारों की टीम ने एनर्जी, कॉमेडी और मनोरंजन के साथ इसे और भी यादगार बना दिया है। सीरीज का हर एक किरदार कमाल है। मुझे यकीन है कि दर्शक इसके हर हिस्से का उतना ही आनंद लेंगे जितना हमने इसे बनाते समय लिया। मैं 7 मार्च का और भारत और दुनिया भर के दर्शकों को धड़कपुर के लोगों से मिलवाने के लिए उत्सुक हूं।

'दुपहिया' का प्रीमियर भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में 7 मार्च को होगा।

बढ़ी हुई दाढ़ी, इंटेंस लुक में दिल टूटे आशिक बने कार्तिक आर्यन, फिल्म आशिकी 3 का फर्स्ट लुक रिवील

आशिकी और आशिकी 2 की अपार सफलता के बाद दर्शक इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म की तीसरी कड़ी आशिकी 3 का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. वहीं पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि आशिकी 3 के लिए कार्तिक आर्यन को चुना गया है. अब लगता है कि मेकर्स ने इंतजार खत्म कर दिया है लेकिन छोटे से सस्पेंस के साथ. टी सीरीज के भूषण कुमार ने कार्तिक आर्यन स्टारर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है लेकिन आशिकी 3 कहीं भी मेंशन नहीं किया. लेकिन टीजर देखकर लोग कह रहे हैं कि यही आशिकी 3 है. कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमे कार्तिक काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं. वे गिटार लेकर मंच पर आते हैं और गाना शुरू करते हैं. कार्तिक आर्यन की अपकमिंग म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक और रिलीज डेट सामने आ गई है.

क्या केला खाने से सच में बढ़ता है वजन? जानें इसकी सच्चाई

केला एक ऐसा फल है, जो हर उम्र के लोगों को पसंद आता है और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। कई लोग यह सोचते हैं कि केला खाने से उनका वजन बढ़ सकता है।

इस लेख में हम इसी सवाल का जवाब ढूंढने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि केले का सेवन हमारे शरीर पर कैसे असर डालता है।

साथ ही, हम यह भी समझेंगे कि केले के पोषक तत्व स्वास्थ्य के लिए कितने अहम होते हैं।

क्या केले में होती हैं बहुत अधिक कैलोरी?

केले को लेकर सबसे आम धारणा यह है कि इसमें बहुत ज्यादा कैलोरी होती हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है। हालांकि, हकीकत यह है कि एक मध्यम आकार के केले में लगभग 100-120 कैलोरी ही होती हैं।

यह मात्रा किसी भी अन्य स्नैक या मिठाई की तुलना में काफी कम होती है। इसके अलावा, केले में फाइबर भी होता है, जो पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और भूख को नियंत्रित करता है।

किस समय खाना चाहिए केला?

केला खाने का सही समय सुबह का होता है। सुबह-सुबह केला खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है, जिससे दिनभर सक्रिय रहने में मदद मिलती है।

अगर आप एक्सरसाइज करते हैं, तो उससे पहले या बाद में केला खाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे शरीर की ताकत बढ़ जाती है और थकान भी कम हो जाती है।

इसके अलावा, केले में मौजूद पोषक तत्व शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल भी प्रदान करते हैं।

केले में पाए जाने वाले पोषक तत्वों का महत्व

केले में पोटैशियम, विटामिन बी6, विटामिन सी और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये तत्व शरीर के लिए बेहद अहम होते हैं और इन्हें नियमित रूप से लेना चाहिए।

पोटैशियम दिल की धड़कन को सामान्य रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। वहीं, विटामिन बी6 मस्तिष्क के विकास के लिए जरूरी होता है और विटामिन सी प्रतिरक्षा को मजबूत बनाता है।

मैग्नीशियम हड्डियों की मजबूती के लिए फायदेमंद होता है।

वजन घटाने वालों के लिए केला कैसे फायदेमंद हो सकता हैं?

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो केले को बिना किसी चिंता के खान-पान में जोड़ें। इसमें फाइबर होता है, जो भूख को कम करता है और पेट को देर तक भरा हुआ रखता है।

केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे ब्लड शुगर का स्तर स्थिर रहता है और अचानक भूख नहीं लगती।

संतुलित डाइट और नियमित एक्सरसाइज के साथ केला आपके आहार का हिस्सा बन सकता है।

रोजाना खाली पेट करें वर्कआउट, मिल सकते हैं ये फायदे

खाली पेट वर्कआउट करना एक ऐसा विषय है, जिस पर अक्सर चर्चा होती है। कुछ लोग इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं, जबकि कुछ इसे नुकसानदायक समझते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि खाली पेट वर्कआउट करने के क्या फायदे हो सकते हैं और यह कैसे आपके फिटनेस लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। यह जानकारी उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर गंभीर हैं।

वजन घटाने में है मददगार

खाली पेट वर्कआउट करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह वजन घटाने में मदद करता है।

जब आप बिना खाए एक्सरसाइज करते हैं तो शरीर ऊर्जा के लिए जमा चर्बी का उपयोग करता है। इससे कैलोरी बर्न होती है और वजन कम होता है।

हालांकि, ध्यान रखें कि अगर आप बहुत ज्यादा थकान महसूस करते हैं तो तुरंत कुछ हल्का खा लें ताकि आपकी ऊर्जा बनी रहे।

मेटाबॉलिज्म को दे सकता है बढ़ावा

खाली पेट वर्कआउट करने से मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है।

जब आप सुबह बिना खाए एक्सरसाइज करते हैं तो आपका शरीर जमा चर्बी का उपयोग कर अधिक कैलोरी बर्न करता है।

इससे न केवल मेटाबॉलिज्म तेज होता है, बल्कि ऊर्जा का स्तर भी ऊंचा रहता है। इस कारण से आप दिनभर सक्रिय और तरोताजा महसूस करते हैं, जिससे आपकी दैनिक गतिविधियों में सुधार होता है और फिटनेस लक्ष्यों को तेजी से पाने में मदद मिलती है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में हो सकता है सुधार

खाली पेट एक्सरसाइज करने से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार होता है, जिससे शरीर शक्कर को बेहतर तरीके से प्रोसेस कर पाता है और ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहता है।

यह मधुमेह के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

इसके अलावा यह ऊर्जा स्तर को भी ऊंचा बनाए रखता है, जिससे आप दिनभर तरोताजा महसूस करते हैं और आपकी सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

खाली पेट एक्सरसाइज करने से दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है और ध्यान केंद्रित करना आसान हो जाता है। सुबह-सुबह बिना खाए एक्सरसाइज करने से दिमाग को ताजगी मिलती है, जिससे सोचने-समझने की क्षमता बेहतर होती है।

इस प्रक्रिया में शरीर को ऊर्जा का सही उपयोग करना आता है। हालांकि, इसे अपनाते समय अपने शरीर की सुनना जरूरी होता है। अगर कोई असुविधा महसूस हो रही हो, तो विशेषज्ञ की सलाह लें।

शब्द सामर्थ्य -331

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदय, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

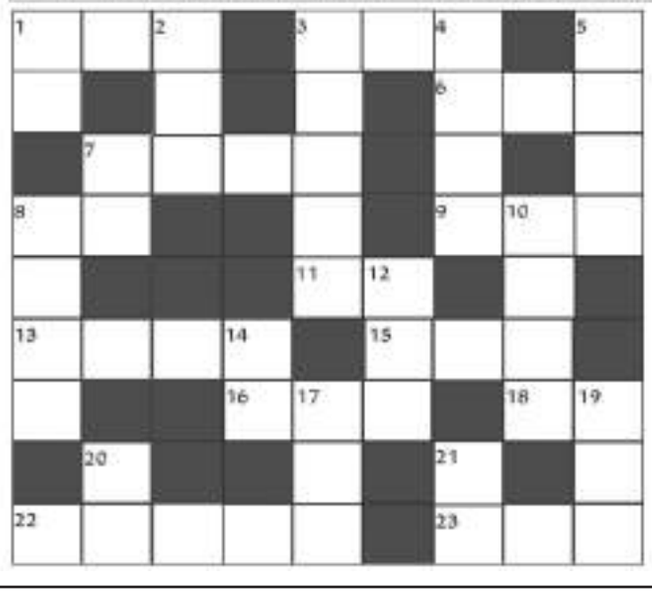

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 330 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	ब	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पाटन में ग्राम पवई हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति द्वारा फासी लगाने की सूचना पर पहुँची पुलिस को गनेश शर्मा उम्र 43 वर्ष निवासी चंद्रभान पिपरिया ने बताया कि वह खेती करता है आज सुबह लगभग 7-45 बजे उसके गांव का विपेन्द्र चड़ार ने उसे घर आकर बताया कि तुम्हारा भतीजा गर्व शर्मा पवई ग्राम में हनुमान मंदिर के सामने आपके पिताजी के खेत की मेढ़ पर लगे बबूल के पेड़ से गले मे रस्सी से फंसी लगाकर लटका हुआ पड़ा है जिसकी मृत्यु हेा गयी है

रेल संरक्षा आयुक्त ने संत हिरदाराम नगर-जरखेड़ा नवनिर्मित रेललाइन का किया निरीक्षण

अधिकतम 130 किमी प्रति घंटा की गति से सीआरएस ने किया ट्रायल रन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भोपाल-रामगंज मंडी नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत संत हिरदाराम नगर-जरखेड़ा सेक्शन का कमीशनिंग के लिए पश्चिम वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री मनोज अरोरा द्वारा शुक्रवार, 21 फरवरी को किया गया।

गौरतलब है कि 276 किलोमीटर लंबी भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल परियोजना की कुल लागत ?3,035 करोड़ है। इस परियोजना में भोपाल से ब्यावरा तक 111 किलोमीटर का क्षेत्र भोपाल मंडल के अंतर्गत आता है, जबकि शेष खंड कोटा मंडल में आता है। वर्तमान में संत हिरदाराम नगर से निशातपुरा डी केबिन तक रेल सेवा का संचालन किया जा रहा है।

संत हिरदाराम नगर-जरखेड़ा सेक्शन की कुल दूरी 21 किमी है। सीआरएस श्री मनोज अरोड़ा ने इस नवनिर्मित रेललाइन पर ट्रायल से पूर्व मोटर ट्राली द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया, साथ ही जरखेड़ा स्टेशन यार्ड का विधिवत परीक्षण किया। इसके बाद, ष्टक्रस्न ने संत हिरदाराम नगर-जरखेड़ा सेक्शन में अधिकतम 130 किमी/घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया।

इस निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री देवाशीष त्रिपाठी एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) सहित मुख्य परियोजना प्रबंधक, उप मुख्य अभियंता(निर्माण),कार्यकारी अभियंता(निर्माण), उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), उप मुख्य सिंग्नल एवं दूर संचार अभियंता (निर्माण), वरिष्ठ मंडल अभियंता(समन्वय) सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल-रामगंज मंडी नई लाइन परियोजना की मुख्य विशेषताएं–

इस परियोजना में मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य शामिल हैं एवं 5 जिले - भोपाल, सीहोर, राजगढ़, झालावाड़ और कोटा इससे जुड़े हुए हैं।

* यह लाइन माल और यात्री परिवहन दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जिससे रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी और यात्रा समय में 3 घंटे की बचत होगी।

* झालावाड़ (राजस्थान) के कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की आवागमन लागत कम होगी। ब्यावरा-झालावाड़ मार्ग के बजाय यह नया मार्ग 42 किमी छोटा होगा, जिससे ईंधन और समय की बचत होगी।घाटोली स्टेशन के पास स्थित प्रसिद्ध केलकेरा मंदिर तक स्थानीय यात्रियों की पहुंच सुगम हो जाएगी।* भोपाल मंडल में 111 किमी रेल लाइन और 12 स्टेशनों के निर्माण के लिए ?1,255 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।* इस परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।इस रेल परियोजना से भोपाल और कोटा मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बीच सीधी और निर्बाध रेल कनेक्टिविटी संभव होगी। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि माल परिवहन में भी दक्षता आएगी।

हितकारिणी विज्ञान वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय देवताल गढा में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हितकारिणी विज्ञान वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय देवताल गढा में दिनांक 21 फरवरी 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ निलेश पांडे जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की कार्यक्रम के प्रथम चरण में मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण किया एवं सरस्वती वंदना महाविद्यालय के छात्र सत्यम साहू ने प्रस्तुत की तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न भाषाओं में अपनी प्रस्तुति दी महाविद्यालय की छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर पोस्टर बनाया जिसमें प्रियंका ठाकुर को प्रथम आस्था सोनी को द्वितीय और रूबी केवट को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ , महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर निलेश पांडे जी ने अपने संबोधन में कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भाषा एवं सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना है हम हर भाषा हर बोली का सम्मान करते हैं हमारी भाषा से ही हमारी संस्कृति है।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.ममता पाठक ने सभी का धन्यवाद किया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर पुष्पा शुक्ला ने किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर संगीता शुक्ला डॉ. चित्रा मिश्रा श्रीमतीअंजना मिश्रा श्रीमती सरिता शर्मा कुमारी नंदिता वर्मा श्रीमती अंकिता चांसोरिया ?श्री शुभम मौर्य श्री संदीप परिहार श्री पवन वैद्य एवं सभी कर्मचारियों की उपस्थिति प्रार्थनीय थी।

बुन्देलखण्ड को बागेश्वर धाम की बड़ी सौगात

कैंसर रोगियों का होगा कल्याण 23 को प्रधानमंत्री मोदी रखेंगे आधारशिला राष्ट्रपति देगी बेटियों को आशीर्वाद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। 26 को बुन्देलखण्ड के महाकुंभ में होगा बेटियों का विवाह। सिद्ध तीये मागेार धाम में कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखे जाते के साथ ही बुन्देलखण्ड के 17 जिलों की जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। बागेश्वर धाम की ओर से यह सौगात लोगों का कल्याण करेगी। कैंसर अस्पताल के तैयार होने से बुन्देलखण्ड के गरीब, पीडितों का कल्याण होगा। 23 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखेंगे। मही बुन्देलखण्ड के महाकुंभ के रूप में बागेश्वर धाम में शुरु हो रहे महामहोत्सव में 26 फरवरी को 251 कन्याओं का विवाह होगा। इस महोत्सव में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, बेटियों को आशीर्वाद देने आ रही हैं। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शासी के कृपा पात्र आयोजन समिति के सदस्य निशांत नायक ने बताया कि 19 फरवरी को विशाल कलश यात्रा निकलेगी। कलश यात्रा के माध्यम से गांव के देवी-देवताओं को महोत्सव सफल बनाने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा। 3 से 5 हजार सदस्य गांव-गांय पीले चावल बांटकर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। बागेश्वर धाम में 18 पुराण, चार वेद, 6 शाख का वाचन होगा। 23 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बालाजी कैंसर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट की आधारशिला रखेंगे। 20 फरवरी को भारत एवं संपूर्ण विश्व के शिष्य मंडल धाम पहुंचेंगे और इसी दिन अन्नपूर्णा यज्ञ की शुरुआत होगी। देश का पहला मंदिर जहां बेटियों के लिए खोल दी दानपेटी वागेश्वर धाम देश का ऐसा पहला तीर्थ स्थल है, जहां की दानपेटी गरीय बेटियों के लिए खोल दी गई है। यहां आने वाला लाखों रुपए का चढ़ाया गरीय बेसहारा, अनाथ बेटियों का घर बसाने में खर्च किया जा रहा है। यागेश्वर धाम पीठाधीनार पं. धीरेन्द्र कृष्ण शारणी ने देश भर के मंदिरों को हिन्दू बेटियों के विवाह में धनराशि खर्च करने का आह्वान किया है। महाराजश्री कहते हैं कि जय मंदिरों में हिन्दू दान के रूप में राशि समर्पित करते हैं तो इस राशि को सनातन धर्म की बेटियों का घर बसाने में क्यों न खर्च किया जाए। वे सिर्फ दूसरों को नसीहत नहीं दे रहे बल्कि वे स्वयं ऐसा करके एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। दो दिवसीय दीक्षा महोत्सव 21 से, रात्रि में होगा रामलीला का मंचन 21 एवं 22 फरवरी को धाम में गुरु दीक्षा महोत्सव होगा। जिनमें दीक्षा का कार्यक्रम रखा गया है जबकि शाम को रामलीला का मंचन होगा। वागेश्वर धाम आने वाले भक्तों के लिए सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है ताकि ये बालाजी और बागेश्वर महादेव के दर्शन करने के साथ ही भगवत चचर्चा श्रवण कर पुण्य लाम कमाएं। 22 से शुरू होगी दीदी मां की प्रवचन माला देश की प्रख्यात कथावाचक एवं अनाथ बेटियों को वात्सल्य देते बानीं दीदी मां ऋतंभरा धाम में आशीर्वचन देने आ रही हैं। 22 फरवरी से 25 फरवरी तक दीदी मां प्रवचन करेंगी। युवाओं से लेकर वरिष्ठ और बुजुर्ग लोगों को धर्म के प्रति प्रेरित करने तथा हिन्दू राष्ट्र की प्रेरणा जगाने दीदी मां सबको अपनी वाणी रुपी अजूत से आनंदित करेंगी। 24 को अवधेशानंद महाराज के प्रवचन, खली की कुश्ती 24 फरवरी को देश के प्रख्यात संत अवधेशानंद गिरि जी महाराज के प्रवचन होंगे। वहीं इसी दिन जाने-माने रेसलर द ग्रेट खली अपने शिष्यों के साथ बागेश्वर धाम आएंगे और कुश्ती का प्रदर्शन कराएंगे। बागेश्वर धाम में सीडब्ल्यूसी की फाइट देखने को मिलेगी। यह करीब 2 घंटे का कार्यक्रम रहेगा। 3 लाख वर्गफिट में लग रहा टैंट, 15 एकड़ में मण्डप, भण्डारा बागेश्वर धाम के कार्यक्रम को वृहद्ध रूप दिया गया है। 3 लाख वर्गफिट में टेट लगाया जा रहा है तो वहीं 12 से 15 एकड़ में मण्डप और अण्डारे की व्यवस्था की गई है। महाराजश्री ने कहा कि बागेश्वर धाम देश का एक ऐसा स्थल है जहां गरीव बेटियों के लिए दानपेटी खोली गई है। दानपेटी से गरीच बेटियों का घर बसाने का यहीं से संदेश दिया जा रहा है। राष्ट्रपति देंगी बेटियों को आशीर्वाद। 26 फरवरी को बुन्देलखण्ड का ऐतिहासिक कन्या विवाह महोत्सव आयोजित हो रहा है। 251 वर-वधू को सफल वैवाहिक जीवन का राष्ट्रपति आशीर्वाद देगी। इस दिन देश के प्रख्यात संत मंच पर उपस्थित रहेंगे। महाराजश्री ने सभी को कार्यक्रम में शामिल होने का आमरण दिया है। घर-वधू पक्ष को भेट की महंगा-चुनरी, शेरवानी, टोपी सभी 251 जोड़ों को बागेश्वर धाम बुलाकर महाराजश्री एवं पशु पालन राज्यमंत्री लखन पटेल ने शुरुआती सामयी भेट की है। बेटी के लिए लहंगा-चुनरी, सैंडल, कंगन और दूल्हे के लिए शेरवानी तथा टोपी भेंट की है ताकि वे एक दिन पहले ही तैयार होकर बागेश्वर धाम पहुंचेंगे। इस बार कन्या और वर पक्ष को 25 फरवरी को ही धाम बुलाया गया है ताकि वे किसी भी परेशानी से बच सके। संत और खेल व सिनेमा जगत से आएंगे धाम उक्त कार्यक्रम में देष के अनेक क्षेत्रों से साधु संती का आमल हो रहा है, जिसमें परमपूज्य गुरुदेव जगगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज, मलूक पीठाधीष्वर राजेन्द्रदास जी महाराज, गोरीलाल कुंज वाले स्वामी किषोरदास जी महाराज, इंदेष उपाध्याय जी, पुण्डरीक गोस्वामी जी, गीला मनीषी सानानंद जी महाराज, पून्य चिदानंद स्वामी जी महाराज, पूज्य बालक योगेश्वरदास जी महाराज, अयोध्या के पूज्य संत रामदिनेष आचार्य जी महाराज, पूज्य अभिरामाचार्य जी महाराज, अभयदास जी महाराज, हरिद्वार से श्री रामदास जी महाराज, परमपूज्य चिन्मयानंद बापूजी महाराज, पूज्य गंगादास जी महाराज, पूज्य गोपालमणि जी महाराज, पूज्य संजय सलिल जी महाराज सहित अनेक संत पधार रहे हैं।

जबलपुर रेल मंडल ने 38 दिनों में 145 ट्रेनें चलाईं, 6 लाख 46 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने किया सफर

जबलपुर रेल मंडल ने महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए युद्धस्तर पर अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महाकुंभ प्रयागराज के लिए जबलपुर मंडल 24 घंटे लगातार श्रद्धालुओं को प्रयागराज पहुंचने के लिए तत्तपर्य है। लगातार भारी भीड़ के बावजूद, जबलपुर रेल मंडल युद्धस्तर पर काम कर रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को महाकुंभ में लाने और स्नान के बाद उनके घर पहुंचाने की सुविधा प्रदान की जा सके।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि जबलपुर मंडल के आसपास के क्षेत्र विभिन्न स्टेशनों जैसे जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, पिपरिया, गाडरवारा एवं ब्यौहारी इत्यादि स्टेशनों से 145 ट्रेनों के माध्यम से 12 जनवरी 2025 से 20 फरवरी 2025 तक 34 लाख 09 हजार 320 यात्रियों द्वारा , 19 लाख 35 हजार 430 टिकट लेकर यात्रा की जिनसे 29 करोड़ 36 लाख 06 हजार 660 रुपए का रेल राजस्व प्राप्त हुआ है जो पिछले वर्ष इसी समय 27 लाख 62 हजार 778 यात्रियों द्वारा ,15 लाख 19 हजार 654 टिकट लेकर यात्रा की जिनसे 22 करोड़ 64 लाख 34 हजार 985 रुपए का रेल राजस्व प्राप्त हुआ था।

जो पिछले वर्ष की तुलना मे 06 लाख 46 हजार 542 यात्रियों द्वारा , 04 लाख 15 हजार 776 टिकट बिक्री हुई जिससे 06 करोड़ 71 लाख 71 हजार 675 रुपए का अधिक रेल राजस्व प्राप्त हुआ ।

इस प्रकार से 12 जनवरी 2025 से 20 फरवरी 2025 तक 38 दिनो मे जबलपुर रेल मण्डल द्वारा 145 ट्रेनो के माध्यम से 06 लाख 46 हजार 542 श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेला में पहुंचाया गया।

जबलपुर रेल मंडल यह सुनिश्चित कर रहा है कि श्रद्धालुओं को उनके पवित्र स्नान के बाद प्रतीक्षा न करनी पड़े इसके लिए मंडल ने स्पेशल मेमू ट्रेन भी चलाई है।

मंडल रेलवे प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा ने मंडल के अधिकारियों के साथ एक बैठक में स्थिति की समीक्षा करते हुए, सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलवे द्वारा की जा रही सभी सेवाओं और प्रयासों को मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि किसी भी स्थिति मे महाकुंभ आने-जाने वाली ट्रेनो के स्टेशन आगमन पर प्लेटफार्म न बदला जाये एवं लगातार अनाउंसमेंट किया जाए जिससे यात्रियों को किसी भी प्रकार कि असुविधा का सामना ना करने पड़े ।

दुर्गेश ब्यौहार विद्या वाचस्पति से विभूषित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर के जाने माने संगीत साधक और साहित्यकार, इंजी. डॉ. दुर्गेश ब्यौहार %दर्शन% को काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा विद्या वाचस्पति उपाधि से विभूषित किया गया। इनको यह उपाधि अयोध्या में आयोजित एक भव्य समारोह में काशी विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ. सुखमंगल सिंह %मंगल% के द्वारा, कुलपति डॉ. ओम प्रकाश पांडेय %निर्भय%, सचिव श्री इन्द्रजीत तिवारी %निर्भीक%, अयोध्या के संभागायुक्त श्री अजय कांत सैनी तथा आबू धाबू से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार श्री जय कृष्ण मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. श्याम कुंवर %भारती% बोकारो एवं अनेकों विशिष्ठ जनों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रदान की गई है। कुशल संचालन श्री जे. के. मिश्रा दुबई एवं श्री शिव प्रकाश काशी ने संपन्न किया।दुर्गेश जी का दीर्घकालीन सांगीतिक और साहित्यिक योगदान, साधना, सेवा, सम्मान, उपलब्धियों एवं संपूर्ण रामचरितमानस पर आधारित भजनों की गीत - संगीत रचना एवं गायन करने की अद्भुत कला के कारण विद्या वाचस्पति मानद उपाधि प्रदान की गई है।श्री ब्यौहार जी इस उपाधि प्राप्ति का श्रेय अपने लौकिक गुरु आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे, दीक्षा गुरु स्वामी पूर्णानंद गिरि महाराज जी, माता-पिता, धर्म पत्नी एवं परिवार जनों को देते हैं।इसके साथ ही अयोध्या में ही, % कहानिका हिन्दी पत्रिका एवं महिला कल्याण समिति बोकारो द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में सह विद्या वाचस्पति मानद सम्मान समारोह में ब्यौहार जी को % पुरुषोत्तम काव्य शिरोमणि सम्मान % से भी विभूषित किया गया। इस कवि सम्मेलन में देश-विदेश से पधारे 20 कवियों ने भगवान राम जी और हनुमान जी से संबंधित रचनाओं का पाठ किया तथा इसमें दुर्गेश जी ने रामचरितमानस पर आधारित, स्वरचित भजन, % रामचरितमानस मंगलकारी है % एवं राम लला आ गए, सस्वर सुनाकर खूब वाह वाही बटोरी और संस्कारधानी का नाम रौशन किया। स्मरण रहे कि दुर्गेश जी ने आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे द्वारा लिखित, % जबलपुर-गान % का गायन व संगीत नि र्देशन भी किया है, जिसको नगर निगम जबलपुर ने % नगर-गान के रूप में स्वीकृत किया है।पाथेय संस्था से राजेश पाठक प्रवीण ने श्री ब्यौहार को बधाई दी।

विकास को गति देना उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के उमरिया में शाखा खोली

कटनी, मध्य प्रदेश- उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के उमरिया, कटनी में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, बैंक ने मध्य प्रदेश में 51 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1052 आउटलेट खोल दिए हैं। उमरिया के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक समूह से लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के विरुद्ध ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, उमरिया में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन मध्य प्रदेश में वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कटनी के ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण जिले में स्थित उमरिया अपने समृद्ध खनिज संसाधनों, प्राचीन मंदिरों और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस मेहनती समुदाय को अनुरूप बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करके, हमारा उद्देश्य व्यक्तियों को सशक्त बनाना, स्थानीय उद्यमों का समर्थन करना और क्षेत्र की निरंतर वृद्धि और समृद्धि में योगदान देना है। ये बैंकिंग आउटलेट वंचित या कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे, जिनकी वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुँच है। समूह ऋण के जेएलजी मॉडल में एक सहकर्मी-गारंटी ऋण मॉडल शामिल है जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए बिना ऋण लेने में सक्षम बनाता है, जबकि समूह के भीतर आपसी समर्थन के माध्यम से ऋण अनुशासन को बढ़ावा देता है और उनके ऋणों का शीघ्र पुनर्भुगतान करता है।

महाकुंभ महापर्व- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भोपाल, जबलपुर एवं कोटा मण्डल ने किये विशेष प्रबंध

12 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने किया सफर

जबलपुर। महाकुंभ 2025 के प्रयागराज में आने-जाने वाले तीर्थयात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे युद्ध स्तर पर काम कर रही है। इसी कड़ी में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ महापर्व के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पश्चिम मध्य रेल ने तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में व्यापक विशेष प्रबंध किए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य महाकुंभ के लिए यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाना है। पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट एवं गुजरने वाली महाकुम्भ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली प्रयागराज के लिए रानी कमलापति-बनारस-रानी कमलापति, सोगरिया-बनारस-सोगरिया, रीवा-प्रयागराज-रीवा, रानी कमलापति-गाजीपुर सिटी-रानी कमलापति, कोटा-रीवा एवं कटनी-दुर्ग-कटनी रूट पर आरक्षित महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त यात्रीभार को क्लीयर करने के उद्देश्य से प्रमुख स्टेशनों जैसे रानी कमलापति, भोपाल, बीना, इटारसी, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना एवं कोटा स्टेशनों से अनारक्षित महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज के लिए अब तक पमरे के तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा से स्पेशल एवं नियमित ट्रेनों से आरक्षित एवं अनारक्षित श्रेणियों में लगभग 12 लाख से अधिक यात्रियों श्रद्धालुओं ने परिवहन किया है।

महाकुंभ के दौरान बढ़ते यात्रीभार को देखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर प्रयागराज के लिए स्पेशल मेमू ट्रेनों का संचालन एवं अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया गया है। जिसमें टिकट चेकिंग, यात्री सहायता और सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

जबलपुर मंडल– जबलपुर मंडल के आसपास के क्षेत्र विभिन्न स्टेशनों जैसे जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, पिपरिया, गाडरवारा एवं ब्यौहारी इत्यादि स्टेशनों से 12 जनवरी 2025 से 20 फरवरी 2025 तक 38 दिनो मे 145 ट्रेनो के माध्यम से 06 लाख 46 हजार 542 श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेला में पहुंचाया गया।

कोटा मण्डल– 13 जनवरी से होने वाले शाही स्नान के दिन से 14 फरवरी तक एक माह में कोटा से ट्रेन से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 10,491 है। जिसमें आरक्षित श्रेणी में प्रयागराज के लिए 6,838 एवं जनरल कोच के यात्रियों की संख्या 3,653 है। इस एक माह में नियमित एवं स्पेशल ट्रेनों के कुल 53 ट्रिप कोटा से प्रयागराज के लिए संचालित हुए। कोटा मंडल महाकुंभ पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है अभी भी स्पेशल ट्रेनों का संचालन मंडल द्वारा प्रयागराज के लिए जारी है। साथ ही कोटा मंडल से 50 से अधिक टिकट चेकिंग स्टाफ, 20 से अधिक रनिंग स्टाफ की प्रयागराज में महाकुंभ पर ड्यूटी के लिए तैनाती की गई है। भोपाल मण्डल– इस महापर्व के दौरान भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी ,संत हिरदाराम नगर,बीना,गुना,विदिशा, साँची, गंजबासोदा, मंडीदीप जैसे प्रमुख स्टेशनों से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज के लिए रवाना हुए।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी मेंमेडिकल कॉलेज में एक व्यक्ति की मृत्यु होने की सूचना पर पहुॅची पुलिस को सुरेन्द्र सिसोदिया उम्र 48 वर्ष निवासी बापूनगर रांझी ने बताया कि रात लगभग 7-45 बजे वह मार्केट से घर आया उसके घर के सामने भीड लगी थी पूछा तो मां ने बताया कि महेन्द्र अपने मकान के छत से पीछे तरफ गिर गया है बेहोश पडा है उसने तुरंत जाकर देखा उसके भाई के पेर मे चोटे थी और कहीं चोट नहीं थी ऐसा लग रहा था कि शरीर में अंदरूनी चोट चोट लगी है बहोश था सांसे चल रही थी

जबलपुर में वकीलों का नए कानून का विरोध-एडवोकेट अमेंडमेंट बिल को लेकर मनाया प्रतिवाद दिवस, अदालतों में न्यायालयीन काम प्रभावित

हाईकोर्ट ओर जिला अधिवक्ता संघ ने काले कानून के विरोध में न्यायिक कार्य से विरत रहे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अधिवक्ता संशोधन अधिनियम 2025 के विरोध में जिला अधिवक्ता संघ हाईकोर्ट बार सहित प्रदेश के अनेक जिलों में अधिवक्ता कार्य से विरत रहकर विरोध प्रकट किया। जिला बार के अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ताओं के खिलाफ जो केंद्र सरकार अधिनियम ला रही हैं वह अधिवक्ताओं की स्वतंत्रता को समाप्त कर रही हैं अधिवक्ताओं की आवाज को दबाने का प्रयास है। एड तरुण रोहितास ने कहा कि विगत 15 वर्ष से अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग की जा रही थी उसे पूरा न कर सरकार अधिवक्ताओं की सुरक्षा के खिलाफ बिल ला रही हैं जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान समस्त अधिवक्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष काला कानून वापस लो के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष डी के जैन,जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा,सचिव परितोष त्रिवेदी जिला बार के सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी,उमेश पांडे,मनोज तिवारी,ज्योति राय,मनोज शिवहरे,शैलेंद्र यादव,विनोद विश्वकर्मा,तरुण रोहितास,रविन्द्र दत्त,दुर्गेश मनाना,मनोज तिवारी,प्रशांत नायक, अनुभव शर्मा,आलोक जैन, निजामुद्दीन,प्रदीप परसाई,प्रवेश जैन,दुर्गा सिंह,आदित्य सिंह ,प्रकाश पांडे,संजय सोनी,रविकांत भगत,रोहित जोशी,अरुण भगत,प्रशांत तिवारी,प्रमोद त्रिपाठी,प्रहलाद चौधरी,अमित साहू,सतीश चौधरी ,संजय यादव,मुकेश पाटकर,आदि उपस्थित थे।

गढ़ा थाने में जालसाज के खिलाफ मामला दर्ज

पार्टनर बनाने का झांसा देकर 32 लाख की धोखाधड़ी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गढ़ा थाना क्षेत्र में मेडिकल स्टोर व एमपी ऑनलाइन शाप संचालन करने वाले दो लोगों को डेयरी व्यवसाय में पार्टनर बनाने के नाम पर जालसाज ने 32 लाख रुपए ऐंठ लिए। अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच कर बुधवार की रात पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गढ़ा गंगा नगर निवासी संजय रजक ने पुलिस को बताया कि वह एमपी ऑनलाइन शाप का संचालन करते हैं और उनका दोस्त सौरभ दुबे निवासी चंदन कॉलोनी पंडा की मढ़िया के पास मेडिकल स्टोर चलाता है। उसकी दुकान पर नरसिंहपुर करेली निवासी गगन वैष्णव जो कि वर्तमान में गंगा नगर स्थित लाल बिल्डिंग में रह रहा था, उससे अच्छी जान-पहचान हो गई थी। उसने दोनों को बताया कि उसका डेयरी व पोल्ट्री का व्यवसाय है। उसे बढ़ाने के लिए रुपयों की जरूरत है। उसने कहा कि जो भी इन्वेस्ट करेगा उसे वह अपना पार्टनर बना लेगा। उसने दोनों लोगों को डेयरी कारोबार के दस्तावेज दिखाए और उसके झांसे में आकर संजय ने 15 लाख व सौरभ ने 17 लाख रुपए दिए। रकम लेने के बाद गगन ने कुछ दिनों बाद ही अपनी डेयरी बेच दी। इस बात का पता चलने पर दोनों ने उससे रकम लौटाने के लिए कहा तो वह टरकाने लगा और मोबाइल बंद कर कहीं चला गया। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

अकाल मृत्यु

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में शंकर चौधरी उम्र 22 वर्ष निवासी बाबाटोला ने सूचना दी कि शादी पार्टी में लेबर का काम करता है दिनांक 20-2-25 को वह अपने काम पर गया था उसके घर वाले रात में सो रहे थे उसका भाई मयूर चौधरी उम्र 25 वर्ष अलग कमरे मे सो रहा था सुबह लगभग 8 बजे उठकर अपने भाई को भाई के कमरे में चाय देने के लिये गया दरवाजा खुला था अंदर जाकर देखा उसका भाई मयूर

अवैध फायर आर्म्स सहित आरोपी पकड़ा गया, देशी कट्टा एवं 2 कारतूस जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी ओमती श्री राजपाल सिंह बघेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि लम्बे काले बाल वाला एक युवक क्रीम रंग की टीशर्ट एव नीला जींस पेंट पहने कमर में पिस्टल खोंसे कोई गम्भीर घटना करने विक्टोरिया अस्पताल परिसर वेक्सीन भण्डार तरफगया है । सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का युवक दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम सुमित बेन उम्र 24 वर्ष निवासी बेलबाग टोरिया शिव साई मंदिर के पास बेलबाग बताया, जो तलाशी लेने पर अपने पहने हुये जींस पेंट की कमर में पीछे तरफ एक देशी कट्टा खोसे मिला कट्टा को चैक करने पर बेरल में एक कारतूस लोड तथा पेंट की जेब में एक कारतूस रखा मिला। पिस्टल के संबंध में पूछताछ करने पर उक्त पिस्टल अपने दोस्त अरशद खान से 15 हजार में लगभग 2 माह पूर्व मंडी मदार टेकरी में खरीदना बताया आरोपी के कब्जे से देशी पिस्टल एवं 2 कारतूस जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय भूमिका-आरोपी को अवैध फायर आर्म्स के साथ रंगे हाथ पकड़ने में उप निरीक्षक श्रीराम सनोडिया, प्रधान आरक्षक रामजी पाण्डे, आरक्षक संदीप द्विवेदी, सुनील पटैल, शिवसिंह, राजवीर, पंकज शोले की सराहनीय भूमिका

ज्वलनशील पदार्थ डीजल, पैट्रोल के अवैध कारोबर में लिप्त आरोपी गिरफ्तार

205 लीटर डीजल, एवं 20 लीटर पैट्रोल जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी सिहोरा श्री विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि क्राईम ब्रांच को विश्वनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम धनगवा में वेयर हाउस के पीछे एक व्यक्ति नीले रंग की जैकेट, मेंहदी कलर का पेंट पहने कानों में मफ्लर बांधा है अवैध रूप से ज्वलनशील पदार्थ अत्याधिक मात्रा में वेयर हाउस के पास छुपा कर रखा है सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना सिहोरा की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम मथुरा प्रसाद चौधरी उम्र 56 वर्ष निवासी धनगंवा बताया वेयर हाउस के आजू बाजू तलाश करने पर चार नीले रंग के प्लास्टिक के डिब्बे मिले जिन्हें चैक करने पर तीन डिब्बों मे 205 लीटर डीजल एवं एक डिब्बे में लगभग 20 लीटर पेट्रोल भरा मिला जिसे जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 287 बीएनएस तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय भूमिका- ज्वलनशील पदार्थ डीजल, पैट्रोल के अवैध कारोबर में लिप्त आरोपी को पकड़ने में सहायक उप निरीक्षक रामा सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक गणेश्वर, आरक्षक संजीत तथा थाना प्रभारी अपराध श्री शैलेष मिश्रा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक संतोष पाण्डे, प्रधान आरक्षक अरविन्द, आरक्षक जयप्रकाश की सराहनीय भूमिका रही।

नौकरी दिलाने के नाम पर 38 लाख रूपये लेकर हड़पने एवं जेवर खुर्दबुद करने वालो के विरूद्ध धोखाधडी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना मदनमहल में आदित्य मिश्रा उम्र 30 वर्ष निवासी आस्था अपार्टमेंट राईट टाउन मदनमहल ने लिखित शिकायत की कि वह प्राईवेट काम करता है उसकी शादी पूजा दुबे जो कि नरसिंहपुर की रहने वाली है से वर्ष 2021 में हुई थी। पत्नि पूजा दुबे ने बताया कि आकाश नेमा निवासी नरसिंहपुर का फैमली मेम्बर की तरह है और सरकारी नौकरी लगवाता है, आकाश नेमा का उसके घर आना जाना रहता था । आकाश नेमा ने दिनांक 6-4-22 को उसके घर आकर उसे पटवारी में एवं पूजा दुबे को संविदा वर्ग-02 में सरकारी नौकरी लगवाने की बात कही तो उसने अपनी एवं पत्नि की सरकारी नौकरी लगाने हेतु अपने एक्सिस बैंक के खाता से आकाश नेमा के इंडस्लेंड बैंक के खाता में दिनांक 17-8-22 से दिनांक 7-2-24 तक कुल 38 लाख रूपये की राशि का स्थानांतरण किया था।

उसके पिता रूद्र प्रसाद एवं बहन गोल्ड लोन हेतु अपने घर के पुस्तैनी सोने की ज्वेलरी केा एसबीआई बैंक शाखा गोटेगांव में लेकर गये थे जहॉ चैक कराने पर पुस्तैनी ज्वेलरी नकली होना पायी गयी शिकायत पर पूजा दुबे एवं आकाश नेमा द्वारा मिलकर सरकारी नौकरी लगवाने का कहते हुये कुल 38 लाख रूपये लेकर तथा घर के पुस्तैनी एवं शादी के सोने की ज्वेलरी खुर्दबुर्द कर धोखाधड़ी करना पाये जाने पर पूजा दुबे एवं आकाश नेमा के विरूद्ध धारा 318(4), 316(3),

2 सटोरिये सट्टा लिखते रंगे हाथ पकड़े गये, नगद 6 हजार 250 रुपये जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी ग्वारीघाट श्रीमति संगीता सिंह ने बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सब्जी मंडी बाउण्ड्री बाल के पास 2 लोग सट्टा पट्टी लिखकर सट्टा खिला कर अवैध लाभ अर्जित कर रहे है।

सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई सब्जी मंडी बाउण्ड्री बाल के पास कुछ लोगों की भीड़ लगी थी 2 लोग रशीद जैसी पर्ची में अंक लिखकर रूपये पैसों का दाव लगवाकर सट्टा लिखते हुये दिखे पुलिस केा आता देख लोगों की भीड़ भाग गयी सट्टा लिखने वाले भी भागने लगे घेराबंदी कर सट्टा लिखने वालो को पकडा जिन्होने पूछताछ पर अपने नाम अपना नाम प्रभू अहिरवार उम्र 28 वर्ष निवासी साकेत धाम नई बस्ती ग्वारीघाट एवं नरेश चक्रवर्ती उम्र 50 वर्ष निवासी कुम्हार मोहल्ला गोरखपुर बताये, तलाशी लेने पर प्रभू अहिरवार 2 हजार 300 रूपये नगदी, 3 नग सट्टा पट्टी तथा नरेश चक्रवर्ती नगद 1 हजार 950 रूपये एवं सट्टा रसीद रखे मिला । दोनों ने पूछताछ पर एक सप्ताह से उमेश पटैल निवासी पुरानी बस्ती ग्वारीघाट के कहने पर सट्टा पट्टी लिखना व शाम को सट्टे का हिसाब उमेश पटैल को देना बताया जिसके एवज में उमेश द्वारा 350 रूपये प्रतिदिन मजदूरी देना बताते हुये बताया कि उमेश पटैल भी यहीं पर खड़ा था जो पुलिस केा देखकर भाग गया है।

सड़क दुर्घटना में 2 की अकाल मृत्यु

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना कुण्डम में रात्रि राजेन्द्र यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम भवखरी गढ़ रीवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वर्तमान में ग्राम सरसंवा परफेक्ट पोल्ट्री फार्म में रहता है तथा पोल्ट्री फार्म में प्राईवेट काम करता है उसका साला रामजीत यादव उम्र 31 वर्ष भी मनेरी पोड़ी (परफेक्ट पोल्ट्री) फार्म में नौकरी करता था जो दिनांक 19-2-25 को उससे मिलने ग्राम सरसंवा परफेक्ट पोल्ट्री फार्म आया था जो दिनांक 20-2-25 को सुबह लगभग 8 बजे ग्राम सरसवां से अपने गांव पोंड़ी परफेक्ट पोल्ट्री फार्म अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 17 जेड के 4458 से तिवारी उइके उम्र 35 वर्ष के साथ निकला था जो ग्राम टुरका चिथरा नाला के पास लगभग 9 बजे पहुॅचा, पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन आर 1425 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये पीछै से टक्कर मार दिया जिससे उसका साला रामजीत यदव एवं ग्राम टुरका निवासी तिवारी उइके दोनों मोटर सायकल सहित गिर गये दोनों का सिर मे गम्भीर चोट आयी घटना के बारे मे उसे ग्राम टुरका के शंकर सिंह उइके ने फोन कर बताया तो वह ग्राम टुरका चिथरा नाला घाट के पास जाकर देखा दोनों लहुलुहान हालत मे पडे थे 108 एम्बुलेंस बुलवाकर दोनों को सीएचसी कुण्डम लेकर आये डाक्टर ने चैक कर दोनों को मृत घोषित कर दिया।

कोर्ट से जेल वारंट कटते ही फरार हुआ बदमाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गुरुवार को बेलबाग थाने के कुख्यात बदमाश ने कोर्ट में सरेंडर किया था। जबलपुर जिला कोर्ट से जेल वारंट जारी होते ही बदमाश पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। आनन-फानन में ओमती थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। 2017 के एक मामले में सरेंडर करने पहुंचा था, जमानत निरस्त होते ही हुआ गायब

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO. / PWD/ 08/ PRO No - 576 Dated 21 / 02 / 2025

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_402509_1 24/02/2025	खेरमाई वार्ड क्रं 55 अंतर्गत विभिन्न 05 स्थानों पर नाली निर्माण एवं रोड मरम्मत कार्य (पार्षद अनुशांस)	03 माह / 4.10 लाख	2000/- / 4187/-	10.03.2025
2	2025_UAD_402509_1 24/02/2025	खेरमाई वार्ड क्रं 55 अंतर्गत विभिन्न 06 स्थानों पर नाली निर्माण एवं रोड मरम्मत कार्य (पार्षद अनुशांस)	03 माह / 4.23 लाख	2000/- / 4235/-	10.03.2025

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट http://.mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोककर्म, नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO. / PWD/ 08/ PRO No - 582 Dated 21 / 02 / 2025

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_402505_1 25/02/2025	संभाग क्रं 08 अतंर्गत हनुमानताल वार्ड कोतवाली थाना के बाजू से जमात खाना तक सड़क सीमेंटीकरण एवं नाली मरम्मत कार्य। (पार्षद मद)	02 माह / 1.94 लाख	2000/- / 2000/-	13.03.2025
2	2025_UAD_402505_1 25/02/2025	संभाग क्रं 08 अतंर्गत हनुमानताल वार्ड पोस्ट ऑफिस के पीछे शिव मंदिर से फूटाताल की ओर जैन किराना तक सड़क एवं विभिन्न स्थानों पर नाली निर्माण कार्य(पार्षद मद)	04 माह / 3.89 लाख	2000/- / 4000/-	13.03.2025

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट http://.mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोककर्म, नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-16, नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/राजस्व./ सं.क्र.16/ 2024-25/ एम..... दिनांक- 21.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री सलीम खान, 2. श्री रसीद खान, 3. अकील खान, 4. शाहिद खान, 5. श्री शकील खान, पिता - बादल खान, एवं श्री शहजाद अहमद, पिता- जहूर अहमद** ने पिन नं. 1000454719 भवन क्रमांक 1031,1032 , **वार्ड क्र. 51 वार्ड रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड,** भूतल 1500 व.फु., प्रथमतल 1500 व.फु. , **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक 1031,1032 , पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-16** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-16
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-16, नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/राजस्व./ सं.क्र.16/ 2024-25/ एम..... दिनांक- 21.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती नफीसा बेगम, पति- महफूज अहमद अंसारी एवं श्री मतलूब अंसारी, श्री मो. समीर, पिता- महफूज अहमद अंसारी** ने पिन नं. 1000441052 भवन क्रमांक 454 नया पुल बेकरी , **वार्ड क्र. 59 वार्ड अशफाक उल्ला वार्ड,** भूतल 608 व.फु. , **शपथपत्र, बटवारानामा, इकरानामा ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक 454 नया पुल बेकरी , , पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-16** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-16
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/308 2024-25 दिनांक 21/02/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000622477** में पंजीकृत भवन स्वामी **कुमार विन्द्रा उर्फ विन्दादीन बावरिया** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती भारती बावरिया, पति स्व. श्री विन्दादीन बावरिया, इशिका बावरिया एवं संभव बावरिया दोनों के पिता- स्व. श्री विन्दादीन बावरिया,** ने **मकान नं. 874/12 वार्ड क्र.-10 ,..... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 4638 व.फु., भूतल 4000 व.फु., मेजनाईन 1350 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/307 2024-25 दिनांक 19/02/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000504371** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती देवश्री अहरवार, पति आनन्द अहरवार एवं श्रीमती जयश्री अहरवार, पति प्रकाश अहरवार** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती सुनीता लालवानी, पति श्री खेमचंद लालवानी एवं श्री खेमचंद लालवानी, पिता स्व. श्री कीमत राय लालवानी** ने **मकान नं. 1701/1ए, वार्ड क्र.-14 ,नरसिंह वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1165 व.फु., भूतल 1050 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 398 दिनांक 21.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री शंकर लाल लढ़िया, पिता- स्व. श्री मुरारी हल्के लढ़िया,** ने मकान नं. 2614, सम्पत्ति पिन नं. 1000480683 **वार्ड मदन महल वार्ड ,** भूतल 604 व.फु., **शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2024/25/एम/234 दिनांक 21.02.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री गनेश सोनी, पिता- श्री जगदीश प्रसाद सोनी** ने मकान नं. ई.डब्ल्यू.एस. 102, **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 330 व.फु., भूतल 330 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-14 दमोहनाका
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम,जबलपुर

पत्र क्रं./बा.वि./2025/1886 दिनांक 21/02/2025

दुकान नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती गोमती बाई ठाकुर, पति- स्व. श्री मोतीलाल** द्वारा **आवेदन पत्र,शपथपत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र** के आधार पर निगम स्वामित्व की **पड़ाव छोटे कोठा मार्केट दुकान क्रं. 09 एवं 10 में** नया अनुज्ञप्तिधारी के रूप पर नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया हैं। जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से **15 दिवस में कार्यालय बाजार अधीक्षक, कमरा नं.54 नगर निगम जबलपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाजार अधीक्षक
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999